पंचायती राज

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

पुरस्कृत पंचायतों के उत्कृष्ट प्रयास

2023

सशक्त पंचायत सतत विकास

प्रस्तावना

भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 2030 एजेंडा की हस्ताक्षरकर्ता है और इसे प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। 31.65 निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ लगभग 2.6 लाख ग्राम पंचायतें इस एजेंडा को प्राप्त करने के लिए प्रमुख हितधारक हैं, जिसके लिए यह अनिवार्य है कि वे 'ग्राम पंचायत विकास योजना' का नियोजन और इसका कार्यान्वयन संतृप्ति (सैचूरेशन)-सह-चरणबद्ध तरीके से करने के लिए पंचायती राज मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए 'सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण' (एलएसडीजी) विषयगत दृष्टिकोण को अपनाएं।

इस दृष्टिकोण के तहत, पंचायती राज मंत्रालय ने 17 एसडीजी को 9 एलएसडीजी विषयों में एकत्रित किया है और तदनुसार, निम्नलिखित 9 पुरस्कार विषय के तहत राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों को नया रूप दिया है:

1. गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत
2. स्वस्थ पंचायत
3. बाल हितैषी पंचायत
4. जल पर्याप्त पंचायत
5. स्वच्छ और हरित पंचायत
6. आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त पंचायत
7. सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत
8. सुशासित पंचायत
9. महिला हितैषी पंचायत

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार, जो पंचायतों के लिए प्रेरणा का एक मज़बूत स्रोत है, प्रायः 24 अप्रैल को मनाये जाने वाले राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर दिये जाते हैं। यह दिन संविधान के 73वें संशोधन अधिनियम, 1992 का स्मरण कराता है, जो वर्ष 1993 में लागू हुआ और जिसके द्वारा पंचायतों को स्थानीय स्वशासन की संस्था के रूप में संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ ।

यह एक अभूतपूर्व मील का पत्थर साबित हुआ है कि 2.6 लाख ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों में से लगभग 2.41 लाख ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 के तहत सफलतापूर्वक भाग (अतिरिक्त लगभग 6 लाख पंचायतों ने भी भाग लिया लेकिन सफलतापूर्वक आवेदन जमा नहीं कर सकी)। यह उपलब्धि राज्यों/संघ राज्यक्षेत्र और पंचायतों के उल्लेखनीय और एकीकृत प्रयासों और उनमें एलएसडीजी के बारे में जागरूकता को दर्शाती है। यह एक आकांक्षा पैदा करता है कि देश एक विषयगत दृष्टिकोण द्वारा ग्रामीण स्थानीय निकायों के माध्यम से एसडीजी के 2030 एजेंडा को प्राप्त करने की सही रह पर अग्रसित है ।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 के तहत निम्नलिखित श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए हैं:

- दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सतत विकास पुरस्कार: यह पुरस्कार उपर्युक्त 9 पुरस्कार विषयों में से प्रत्येक के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शीर्ष 3 जीपी / समकक्ष निकायों के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 27 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 के लिए कुल 42 पंचायतों (36 ग्राम पंचायत, 3 ब्लॉक पंचायत और 3 जिला पंचायत) का चयन किया गया है।

- नानाजी देशमुख सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार: यह पुरस्कार सभी 9 पुरस्कार विषयों के तहत प्रत्येक शीर्ष 3 ग्राम, ब्लॉक और जिला पंचायतों को उनके समग्र प्रदर्शन के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 9 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

- इस वर्ष (2023) प्रदान किए गए विशेष श्रेणी पुरस्कार:

  (क) ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पंचायत पुरस्कार शीर्ष 3 ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों को ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को अपनाने और उपयोग करने में उनके प्रदर्शन के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 3 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

  (ख)कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार शीर्ष 3 ग्राम पंचायतों/ समकक्ष निकायों को नेट-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने की दिशा में उनके प्रदर्शन के लिए है। इस वर्ष, इस श्रेणी के तहत कुल 3 पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

गिरिराज सिंह
GIRIRAJ SINGH

ग्रामीण विकास तथा पंचायती राज मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF
RURAL DEVELOPMENT AND PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

संदेश

यह उल्लेखनीय है कि पंचायती राज मंत्रालय राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार–2023 के अंतर्गत राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्राप्त करने वाली पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक पुस्तिका प्रकाशित कर रहा है। इस पुस्तिका में उनके उन उत्कृष्ट कार्यों को संकलित किया गया है, जिसके लिए उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है।

पुरस्कार के रूप में पंचायतों को प्रोत्साहन और मान्यता प्रदान करना, जमीनी स्तर पर विकासात्मक योजनाओं के समग्र कार्यान्वयन के लिए एक स्वस्थ और प्रतिस्पर्धी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में अच्छी तरह से स्वीकृत नीतियों में से एक है। पंचायती राज मंत्रालय सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायती राज संस्थाओं को स्थानीय स्वशासन में उनके निष्पादन को बढ़ाने के लिए पुरस्कारों के माध्यम से प्रोत्साहित करता है।

ग्रामीण भारत में सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण एवं उनकी प्राप्ति की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को मान्यता प्रदान करने, सम्मानित करने एवं प्रोत्साहित करने के लिए इस वर्ष से बहु-स्तरीय प्रतियोगिता स्थापित करने हेतु राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के प्रारूप, प्रक्रिया और श्रेणियों में व्यापक रूप से संशोधन किया गया है।

स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के आधार पर चुनी गई विजेता पंचायतों ने स्थानीय स्तर पर सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं और अपने उत्कृष्ट कार्यों के परिणामस्वरूप 2.60 लाख से अधिक पंचायतों में से चुन कर आई हैं।

जबकि, मैं पंचायतों की इन उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, मैं इस पुस्तिका की भी सराहना उन सभी हितधारकों से करता हूं जो ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थानों से जुड़े हुए हैं। मुझे आशा है कि यह पुस्तिका उन सभी के लिए उपयोगी होगी।

(गिरिराज सिंह)

Office: 'G' Wing, Ground Floor, Krishi Bhawan, New Delhi-110001, Tel.: 011-23383548, 23782373, 23782327, Fax: 011-23070309
Resi.: 27, Lodhi Estate, New Delhi, Ph.: 011-24626783, 24655677

कपिल मोरेश्वर पाटील
राज्य मंत्री
पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार

KAPIL MORESHWAR PATIL
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

यह अंत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार- 2023 के अंतर्गत विजेता पंचायतों के अनुकरणीय कार्यों को संकलित करते हुए पंचायती राज मंत्रालय "राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार विजेता पंचायतों की सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं" पर बुकलेट का प्रकाशन करने जा रहा है।

सतत विकास के लिए एजेंडा-2030 के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में, भारत 17 सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है। भारत सरकार एजेंडा-2030, राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों और "सबका साथ, सबका विकास" के अपने समावेशी विकास मोटो के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। ग्रामीण भारत में इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए, पंचायती राज संस्थाओं की सहभागिता करते हुए सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के स्थानीयकरण का एक महत्वपूर्ण कदम पंचायती राज मंत्रालय द्वारा उठाया गया है, इसी के तहत पंचायती राज संस्थाओं को दिए जाने वाले राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों को भी एलएसडीजी से सबंद्ध किया गया है।

पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं/उपलब्धियों का यह संकलन दूसरों को प्रेरित करेगा। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तिका पंचायतों, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

(कपिल मोरेश्वर पाटील)

Office: Room No. 392, 'E' Wing, 3rd Floor, Krishi Bhawan, New Delhi-110001
Residence: 05, Duplex North Avenue, New Delhi-110001
Phone: 011-23782143, 23782548, 23782518 E-mail Id: mospanchayatiraj@gmail.com

सुनील कुमार, आई.ए.एस.
सचिव
Sunil Kumar, IAS
Secretary

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद रोड,
कृषि भवन, नई दिल्ली–110001
Government of India
Ministry of Panchayati Raj
Dr. Rajendra Prasad Road,
Krishi Bhawan, New Delhi-110001

संदेश

भारत वर्ष 2030 के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का हस्ताक्षरकर्ता है। पंचायती राज मंत्रालय (MoPR), पंचायती राज संस्थानों (PRI) की शासन क्षमता का निर्माण करके और पुरस्कार और मान्यता के माध्यम से उन्हें प्रोत्साहित करके सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध है।

पंचायतों के प्रदर्शन को सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (एलएसडीजी) के अनुरूप करते हुए पुरस्कार वर्ष 2023 से मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों को नया स्वरूप प्रदान किया गया है।

मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि इस वर्ष के राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों में रिकॉर्ड 2.47 लाख पंचायतों ने प्रतिभागिता के साथ एलएसडीजी को प्राप्त करने के अपने समर्पण को प्रदर्शित किया है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए ब्लॉक, जिला, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर पर बहु-स्तरीय पिरामिड प्रतियोगिता के माध्यम से चुनी गई पंचायतों द्वारा एलएसडीजी की दिशा में किए गए प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय और अनुकरणीय हैं। मंत्रालय द्वारा इन पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं को इस पुस्तिका में संकलित किया गया है ताकि देश की अन्य पंचायतों को प्रेरित किया जा सके और इसी तरह के विकासात्मक कार्य किए जा सकें।

मुझे विश्वास है कि पुरस्कृत पंचायतों की सर्वोत्तम प्रथाओं के संग्रह की पुस्तिका पंचायती राज संस्थाओं, निर्वाचित प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के लिए प्रेरक और उपयोगी होगी।

(सुनील कुमार)

Tel.: 011-23389008, 23074309 • Fax: 011-23389028 • E-mail: secy-mopr@nic.in

गरीबी मुक्त
और उन्नत आजीविका पंचायत

गरीबी मुक्त पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

सामाजिक सुरक्षा ताकि कोई भी व्यक्ति गरीब न रहे
सभी के लिए बेहतर आजीविका के साथ विकास और समृद्धि

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- व्यक्तिगत/सामूहिक उद्यमों के माध्यम से आर्थिक विकास और रोजगार सृजन
- स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और समूह से जुड़े किसान समूह के सदस्यों का 100% बैंक लिंकेज
- केंद्र और राज्य आधारित पोर्टल पर किसानों का 100% पंजीकरण
- बुनियादी सेवाएं जैसे आवास, पानी और स्वच्छता आदि प्रदान करना
- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीकरण
- रोजगार गारंटी योजना के तहत 100% योग्य/ पात्र आवेदकों को मनरेगा
- जॉब कार्ड और सक्रिय जॉब कार्ड धारकों को निरंतर रोजगार
- पीडीएस के तहत पात्र परिवारों का 100% नामांकन और पात्रता आधारित राशन कार्ड सुनिश्चित करना
- आयुष्मान भारत कार्ड योजना के तहत पात्र नागरिकों का 100% कवरेज
- सिटीजन चार्टर के अनुसार 100% सेवाएं उपलब्ध

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना (SECC) और मिशन अंत्योदय डेटा के अनुसार लाभार्थी (वंचित) की पहचान
- जॉब कार्ड का प्रभावी वितरण
- सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में पंजीकरण की सुविधा प्रदान करना
- कौशल प्रशिक्षण, उद्यमिता विकास और रोजगार के माध्यम से आय सृजन
- सिंचाई, बेहतर बीज, जैव-उर्वरकों, उपयुक्त नई तकनीकों की पहचान, के.वी.के (कृषि विज्ञान केंद्र) के उपयोग के माध्यम से भूमि उत्पादकता में सुधार
- हैंड-होल्डिंग प्रशिक्षण और बैंक लिंकेज तक पहुंच बनाकर एसएचजी को मजबूत करना
- ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) निधियों और कार्यक्रमों का अभिसरण

खंडोबाचीवाड़ी

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति : पलुस
जिला पंचायत: सांगली, राज्य: महाराष्ट्र

गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत

1 प्रथम पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 188732
कुल जनसंख्या : 2342 (पुरुष : 1242, महिलाएं: 1100) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 9 (पुरुष: 4, महिलाएं: 5)
कुल परिवार: 485
कुल राशन कार्ड धारक: 367
मनरेगा के तहत कुल जॉब कार्ड धारक: 312
कुल बीपीएल (BPL) महिलाएं: 391
कुल स्वयं सहायता समूह (SHGs): 26

प्रमुख उपलब्धियां

- मनरेगा के तहत 14,660 दिनों के लिए 11 सड़कें पूरी की गईं और 258 मजदूरों को लगाया गया
- पीएम-आवास योजना के तहत 6,014 लाभार्थियों को घर दिए गए
- पीएम-किसान सम्मान योजना के तहत 349 किसान लाभान्वित हुए
- खाद्य सुरक्षा योजना के तहत 367 लाभार्थी लाभान्वित
- राज्य पेंशन योजना के तहत 16 व्यक्ति लाभान्वित
- पीएम-जनधन योजना के तहत 403 लोगों के खाते खोले गए
- सभी 391 बीपीएल महिलाएं 26 स्वयं सहायता समूहों की सदस्य हैं

चुनौतियाँ

- स्थानीय लोगों को योजना का लाभ उठाने के लिए समझाना
- पंचायत सदस्यों और स्थानीय लोगों के बीच संचार स्थापित करना
- महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना
- केवल प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से रोजगार उपलब्ध
- अधिक ड्राप आउट दर
- पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का अभाव

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- मुद्दों और योजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए ग्राम संघ की मासिक बैठकें
- 21 एसएचजी को रु. 28 लाख की आर्थिक सहायता
- कपड़ा, चीनी और अन्य उद्योगों के तहत रोजगार प्रदान किया गया
- छात्रों की 100% उपस्थिति और व्यक्तित्व विकास सुनिश्चित की गई
- सीवेज का पुनर्चक्रण/ रिसाइक्लिंग
- विद्यालयों में पोषक-उद्यानों एवं खेल के मैदानों को तैयार किया गया

प्राप्त सहयोग

- केंद्र और राज्य सरकार की योजना निधि:
  - पीएम-आवास योजना - 21 लाख रुपये
  - मनरेगा - 63 लाख रूपये और पीएम केएसवाई - 17. 49 लाख रूपये
  - एसएचजी - 28 लाख रूपये, एसजीएनवाई - रु. 0.24 लाख रूपये, 15वां वित्त आयोग- 0.81 लाख रूपये
  - 5% दिव्यांग - 0.32 लाख रूपये और लोक सभाग - 0.10 लाख रूपये

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित छोटे पैमाने के व्यवसायों की स्थापना, महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन
- मानव कल्याण के लिए विभिन्न क्षेत्रों पर समितियों का गठन
- ग्राम पंचायत सदस्यों का समय-समय पर प्रशिक्षण

मंदोद्दी

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: रजोली
जिला पंचायत: जोगुलम्बा गडवाल, राज्य: तेलंगाना

गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत

2 द्वितीय पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 206050
कुल जनसंख्या : 4623 (पुरुष : 2311, महिलाएं: 2312) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 12 (पुरुष: 6, महिलाएं: 6)
कुल परिवार: 1238
कुल राशन कार्ड धारक: 4098
मनरेगा के तहत कुल जॉब कार्ड धारक: 948
कुल बीपीएल (BPL) महिलाएं: 815
कुल स्वयं सहायता समूह (SHGs) : 28

प्रमुख उपलब्धियां

- मनरेगा के तहत संचालित सब्जी मंडियां, आटा मिलें और हार्वेस्टर
- मनरेगा के तहत 698 (सक्रिय) जॉब-कार्ड धारक
- 100% समय पर मनरेगा के तहत वेतन भुगतान
- सभी 353 व्यक्तियों को आसरा (राज्य पेंशन योजना) वितरित की गई
- स्कूलों और आंगनबाड़ियों में बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन
- 100% एलपीजी (LPG) उपयोगकर्ता, सीसीटीवी कैमरों के साथ 100% एलईडी स्ट्रीट लाइट 100% विद्युतीकरण, 28 स्वयं सहायता समूहों की सभी 815 बीपीएल महिला सदस्य

चुनौतियाँ

- रोजगार योजनाओं के बारे में जागरूकता का अभाव
- कृषि में आधुनिक तकनीकी को अपनाना
- कमजोर स्वयं सहायता समूह
- सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं और युवाओं की कोई भागीदारी नहीं

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- ग्राम सभाओं के माध्यम से सीधे जनता तक पहुंचना
- स्थायी समिति की बैठकों का आयोजन (कृषि, स्वास्थ्य आदि पर)
- गरीबी उन्मूलन योजनाओं, आईसीडीएस, पीडीएस और एसएचजी ऋणों पर सूचना, शिक्षा और संचार गतिविधियां
- सार्वजनिक वितरण की दुकानों का समय-समय पर निरीक्षण

प्राप्त सहयोग

- महिलाओं, किसानों और युवाओं की भागीदारी
- केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं (मनरेगा, पीएम-आवास, पीएम-जन धन योजना आदि) और रायथू संगम संगठन

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- योजनाओं के बारे में गांव के स्थानीय लोगों को शिक्षित करना ग्राम पंचायत विकास योजनाओं की तैयारी में सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं,
- युवाओं और छात्रों की बढ़ी हुई भागीदारी
- महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष ग्राम सभा

नागम

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: लुंड्रा
जिला पंचायत: सरगुजा, राज्य: छत्तीसगढ़

गरीबी मुक्त और उन्नत आजीविका पंचायत

3 तृतीय पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 130839
कुल जनसंख्या: 1481 (पुरुष: 694, महिलाएं: 787) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 14 (पुरुष: 7, महिलाएं: 7)
कुल परिवार: 418
कुल राशन कार्ड धारक: 418
मनरेगा के तहत कुल जॉब कार्ड धारक: 500
कुल बीपीएल (BPL) महिलाएं: 267
कुल स्वयं सहायता समूह (SHGs): 17

प्रमुख उपलब्धियां

- मनरेगा के तहत 500 जॉब कार्ड बांटे गए
- सभी 267 बीपीएल महिलाएं 17 स्वयं सहायता समूहों की सदस्य हैं
- पीएम-किसान सम्मान निधि योजना के तहत 175 लाभार्थियों को लाभ प्रदान किया गया
- राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 418 राशन कार्ड वितरित किए गए

चुनौतियाँ

- ग्राम सभाओं में भागीदारी का अभाव
- स्वयं सहायता समूहों का अपर्याप्त प्रशिक्षण

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- योजनाओं पर वार्ड सदस्यों द्वारा जागरूकता अभियान और निवासियों को ग्राम सभाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना
- मनरेगा के बारे में जागरूकता पैदा करने/ बढ़ाने के लिए ग्राम रोजगार सहायक की प्राथमिक भूमिका

प्राप्त सहयोग

- जिला पंचायत प्रशासन द्वारा महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना
- 15वां वित्त आयोग, मनरेगा, एनआरएलएम (NRLM) और राज्य योजनाओं का अनुदान

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- ग्राम सभाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना
- बेहतर भागीदारी के लिए आईईसी (IEC) गतिविधियां
- जिला स्तर पर एनआरएलएम (NRLM) के तहत अधिक प्रशिक्षण कार्यशालाएं
- स्वयं के राजस्व स्रोत से होने वाली आय में वृद्धि को प्राथमिकता
- गरीबी रेखा से नीचे (BPL) की आबादी को विशेष सहायता

स्वस्थ पंचायत

एक स्वस्थ पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- सभी उम्र के लोगों के लिए अच्छा स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती
- गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं
- सभी का टीकाकरण
- उचित मूल्य पर दवाओं की उपलब्धता

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- बच्चों में स्टंटिंग और वेस्टिंग को खत्म करना
- किशोरियों और महिलाओं में खून की कमी को दूर करना
- कम लागत, अत्यधिक पौष्टिक और स्थानीय रूप से प्राप्त अनाज, सब्जियां, फल, अंडे आदि।
- संचारी रोगों के लिए निवारक और उपचारात्मक उपाय
- शून्य मातृ मृत्यु, 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु
- सभी के लिए चिकित्सा देखभाल और स्वास्थ्य सुविधाओं का प्रावधान
- खुले में शौच मुक्त+ स्थिति प्राप्त करना

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- बच्चों और माताओं के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करना (पोषण, परामर्श, सैनिटरी नैपकिन का उपयोग और सुरक्षित निस्तारण आदि)
- माताओं और बच्चों के पूर्ण टीकाकरण में सहायता प्रदान करना
- संचारी रोगों / communicable diseases (एनीमिया, टीबी, एचआईवी आदि) और गैर-संचारी रोगों/जीवन शैली के रोगों (मधुमेह, कैंसर आदि) की रोकथाम और उपचार की सुविधा
- शादी और गर्भावस्था की उम्र, मानसिक स्वास्थ्य और विकलांगता पर जागरूकता
- वृद्धावस्था देखभाल सहायता
- आयुष का प्रचार और उपयोग

गौथमपुर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: चुंचुपल्ली
जिला पंचायत: भद्राद्री कोठागुडेम, राज्य: तेलंगाना

स्वस्थ पंचायत

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 280571
कुल गांव: 1
कुल जनसंख्या: 4407 (पुरुष: 2238, महिलाएं: 2169)
कुल परिवार: 1163
कुल वार्ड: 12
कुल स्वास्थ्य उपकेन्द्र: 2

प्रमुख उपलब्धियां

- ग्राम पंचायत में 100% प्रसव चिकित्सालय में किए गए हैं। ग्राम पंचायत में आयु वर्ग (0-59 महीने) के किसी बच्चे की मृत्यु नहीं हुई और बच्चों (0-6 वर्ष) का पूरी तरह से टीकाकरण किया गया
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत शत-प्रतिशत महिलाएं लाभान्वित
- ग्राम पंचायत में रक्ताल्पता (एनीमिया) से कोई महिला ग्रसित नहीं है और गर्भवती महिलाओं,
- स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों को स्वस्थ और पौष्टिक खाद्य पदार्थों का नियमित वितरण ताकि शिशु मृत्यु दर और महिलाओं में रक्ताल्पता (एनीमिया) को कम किया जा सके
- ग्राम पंचायत में एम्बुलेंस और टेलीमेडिसिन की सुविधा भी उपलब्ध है

चुनौतियाँ

- कोविड 19 महामारी के कारण लोगों को अपनी आवश्यकताएं के लिए प्राथमिक
- स्वास्थ्य केंद्र या ग्राम पंचायत में आना मुश्किल हो रहा था।

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- ग्राम पंचायत में मास्क और सैनिटाइजर वितरित किए गए
- महामारी से निपटने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए कोविड-19 सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई
- ग्राम पंचायत की आबादी का टीकाकरण करने के लिए टीकाकरण अभियान चलाया गया और जागरूकता शिविर और स्वच्छता अभियान आयोजित किए गए

प्राप्त सहयोग

- 15वें वित्त आयोग की केंद्रीय निधियों और राज्य निधियों जैसे संसाधनों का लाभ उठाते हुए ग्राम पंचायत कोविड-19 महामारी से निपटने में सफल रही

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- ग्राम पंचायत ने स्वयं की व्यायामशाला, स्विमिंग पूल, खेल के मैदानों का निर्माण किया है और साथ ही अपने मनोरंजन स्थल का रखरखाव भी किया है
- ग्राम पंचायत गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित करती है
- ग्राम पंचायत के लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य जांच और दवाएं वितरित की जा रहीं है
- मिशन भागीरथ योजना के तहत स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराई
- निवारक उपाय के रूप में घर-घर कचरा संग्रहण जैसी सेवाएं

कंचूरा

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: हिंजिलीकट
जिला पंचायत: गंजाम, राज्य: ओडिशा

स्वस्थ पंचायत

2 द्वितीय पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 117772
कुल गांव: 5
कुल जनसंख्या: 7944 (पुरुष: 3943, महिलाएं: 4001)
कुल परिवार: 1864
कुल सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र: 1
कुल स्वास्थ्य उपकेन्द्र: 1
कुल आंगनवाड़ी केंद्र: 13

प्रमुख उपलब्धियां

- ग्राम पंचायत में 100% प्रसव चिकित्सालय में किए गए हैं और बच्चों (0-6 वर्ष) का पूरी तरह से टीकाकरण किया गया था
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 100% महिलाएं लाभान्वित हुईं और ग्राम पंचायत में रक्ताल्पता (एनीमिया) से ग्रसित कोई महिला नहीं है
- पीएचसी (सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्र) कंचुरू को एक स्वास्थ्य और वेलनेस केंद्र घोषित किया गया है जो कई स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं प्रदान करता है जैसे कि प्रसव, नवजात और शिशु स्वास्थ्य देखभाल, बचपन और किशोर स्वास्थ्य देखभाल आदि. सैनिटरी नैपकिन के वितरण सहित स्कूल में नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते हैं। ग्राम पंचायत अतःक्षेपों के कारण टीबी रोगियों की 100% रिकवरी हुई है।
  स्वास्थ्यकारी भोजन के प्रति जागरूकता के लिए गांव में 'पुष्टि महोत्सव' का आयोजन।

चुनौतियाँ

- दूसरे राज्यों से लौटने वाले यात्रियों से होने वाले संक्रमण को रोकना।
- कंचुरू पीएचसी को एक योग केंद्र की आवश्यकता थी जो बाद में पूरी हो गई।
- फिजियोथेरेपी सेंटर और मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निस्तारण के लिए बायो-मेडिकल वेस्ट कॉर्नर की आवश्यकता है।

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- ग्राम पंचायत में वापस लौटे प्रवासी लोगों को सभी आवश्यक सेवाओं के साथ क्वारंटाइन में रखा गया था
- सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता, गांवों की व्यापक सफाई, पोस्टर के माध्यम से जागरूकता, पत्रक आदि के माध्यम से जागरूकता, मास्क और सैनिटाइज़र का वितरण
- ग्रामीणों के बीच योगासन का अभ्यास किया गया था
- "निक्षय मित्र" अर्थात टीबी रोगियों के बीच मुफ्त दवा के साथ पूरक पोषण किट का वितरण

प्राप्त सहयोग

- ग्राम पंचायत की महिलाओं को ममता योजना और बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (स्वास्थ्य बीमा योजना) का लाभ मिला है।

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- पीएचसी को साफ, हरा-भरा और स्वस्थ बनाने के लिए मनरेगा के तहत कंचूरू पीएचसी में छत पर जल संचयन (water harvesting) संरचनाएं और वृक्षारोपण गतिविधियां शुरू की गई हैं। वीएचएसएनसी (VHSNC-Village Health, Sanitation and Nutrition Committee) के माध्यम से ग्राम पंचायत में सभी वर्गों के लोगों के स्वस्थ जीवन के लिए बेहतर योजना, समन्वय, निगरानी और जागरूकता को मजबूत किया जा रहा है
  स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक मध्याह्न भोजन, शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालयों में न्यूट्री-गार्डन
- टेली मेडिसिन सुविधा का प्रचार, जैविक खेती को बढ़ावा

सांकरा

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: नागरी
जिला पंचायत : धमतरी, राज्य: छत्तीसगढ़

स्वस्थ पंचायत

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 124040
कुल गांव: 1
कुल वार्ड: 20
कुल जनसंख्या: 6681 (पुरुष: 3301, महिलाएं: 3380)
कुल परिवार: 1984

प्रमुख उपलब्धियां

- ग्राम पंचायत में 100% प्रसव चिकित्सालय में किए गए हैं और 80% से अधिक बच्चों (0-6 वर्ष) का पूरी तरह से टीकाकरण किया गया
- गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों को स्वस्थ और पौष्टिक खाद्य पदार्थों का नियमित वितरण ताकि शिशु मृत्यु दर और महिलाओं में रक्ताल्पता को कम किया जा सके
- गांव के स्वास्थ्य स्तर को बढ़ाने के लिए, ग्राम पंचायत ने अपनी जीपीडीपी योजना के कुल बजट में से स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों के लिए लगभग 87% बजट आवंटित किया है

चुनौतियाँ

- जनजातीय क्षेत्र होने के कारण लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए घर-घर जाना मुश्किल था
- कोविड-19 महामारी के कारण लोगों को अपनी ज़रूरतों के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र या ग्राम पंचायत में आना मुश्किल हो रहा था।

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- महामारी से निपटने के साथ-साथ अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के दृष्टिकोण पर चर्चा करने के लिए कोविड 19 सुरक्षा प्रोटोकॉल के साथ विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई
- फेस मास्क वितरित किए गए, टीकाकरण अभियान चलाया गया और महामारी से निपटने के लिए सड़कों को साफ किया गया
- आईईसी (IEC) गतिविधियों के साथ महिला सभा और बाल सभा जैसे आयोजनों ने ग्राम पंचायत को टीकाकरण में मदद की
- ग्राम पंचायत ने अपने सभी निवासियों के लिए घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाने पर भी ध्यान केंद्रित किया है।

प्राप्त सहयोग

- 15वें वित्त आयोग की केंद्रीय निधियों और मूलभूत, ग्राम पंचायत सांकरा जैसी पहलों से राज्य निधियों जैसे संसाधनों का लाभ उठाने से कोविड-19 महामारी से निपटने में सफलता मिली
- आशा (ASHA) कार्यकर्ता, हरित सेना और स्वास्थ्य विभाग की टीम के सहयोग से ग्राम पंचायत को अपने निवासियों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने में मदद मिली

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- जीपी ने अपने जीपीडीपी में स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है
- छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग की हाटबाजार योजना के माध्यम से लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवाइयां वितरित की जा रही हैं
- निवारक उपाय के रूप में, घर-घर कचरा संग्रहण, साफ पानी और ओवरहेड टैंकों की नियमित सफाई जैसी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं, वीएचएनएससी (VHSNC-Village Health, Sanitation and Nutrition Committee) की नियमित बैठकें आयोजित की जा रही हैं, आशा (ASHA) कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं व बच्चों को पोषाहार का वितरण किया जा रहा है, आशा (ASHA) कार्यकर्ताओं द्वारा महिलाओं व बच्चों को पोषाहार का वितरण किया जा रहा है

बाल-हितैषी
पंचायत

बाल-हितैषी पंचायत वह है जो यह सुनिश्चित करती है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने के लिए जीवित रहने, विकास, भागीदारी और सुरक्षा के अपने अधिकारों का उपयोग करने में सक्षम हैं:

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :
- स्कूलों में 100% नामांकन
- बाल विवाह, तस्करी और बाल श्रम और बच्चों के खिलाफ सभी प्रकार की हिंसा के मामलों को कम करना/समाप्त करना
- विकलांग बच्चों के लिए शिक्षा की समान पहुंच
- अभिभावक शिक्षक संघ (पीटीए)/स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- पांच वर्ष से कम आयु के सभी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन; मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता पर नजर रखना
- आईसीडीएस (ICDS) और स्वास्थ्य केंद्रों की सेवाओं की निगरानी करना
- आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों में न्यूट्री-गार्डन को तैयार करना
- बच्चों के अवरुद्ध विकास के नियमित टीकाकरण के संबंध में निगरानी के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करना
- स्कूल में सुरक्षित पेयजल और हाथ धोने की इकाइयों का प्रावधान
- संविधान स्वास्थ्य, संरक्षण और शिक्षा समितियों और उनके कामकाज
- बाल विवाह, तस्करी और बाल श्रम की सभी हिंसा, दुर्व्यवहार और घटनाओं से बच्चों की सुरक्षा और उचित कानूनी अधिकारियों को इसकी रिपोर्ट करना
- बच्चों को अपने मुद्दों को रखने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए बाल सभा का आयोजन करना

चेदुथाना

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: हरिप्पड
जिला पंचायत: अलप्पुझा, राज्य: केरल

बाल-हितैषी पंचायत

1 प्रथम पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 220997
कुल जनसंख्या : 12882 (पुरुष : 6017, महिलाएं: 6865)
कुल सरकारी स्कूल:9 (5 प्राथमिक, 2 उच्च प्राथमिक, 1 उच्च विद्यालय और 1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय)
कुल आंगनवाड़ी केंद्र: 14
कुल बच्चे: 362

प्रमुख उपलब्धियां

- सभी 14 आंगनवाड़ी केन्द्रों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा, वार्ड नंबर 4 में आदर्श आंगनवाड़ी जहाँ सभी सुविधाएं अर्थात
- बच्चों के लिए शौचालय, खेलने की जगह, बर्तन आदि उपलब्ध हैं. | सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में विद्यालयों में खेल के मैदानों की सुविधा, आंगनवाड़ी केन्द्रों की छात्राओं के लिए कला महोत्सव का आयोजन.
- आंगनवाड़ी केन्द्रों और विद्यालयों में बच्चों के मानसिक विश्राम/ मेन्टल रिफरेशमेंट के लिए उनके सहयोग से छोटे-छोटे उद्यान तैयार किए गए हैं, छात्रों को अध्ययन कक्ष बनाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है.
- अनुसूचित जाति के छात्रों को लैपटॉप और मेधावी छात्रवृत्ति वितरित की गई
- आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए विशेष पोषाहार कार्यक्रम हेतु पंचायत हर साल करीब 15 लाख रुपए की राशि खर्च कर रही है

चुनौतियाँ

- आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों के मानसिक विकास के लिए पर्याप्त जगह की अनुपलब्धता
- स्कूलों में बच्चों के लिए पार्क और खेल के उपकरणों जैसी अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता/ कमी

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- पंचायत समिति के माध्यम से राज्य सरकार से आंगनवाड़ी केन्द्रों में बाहरी/ खुला स्थान उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया
- सरकारी निम्न और उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में बच्चों के लिए पार्क और आंगनवाड़ी केन्द्रों में खेल उपकरण प्रदान किया गया
- अभिभावक-शिक्षक संघों (पीटीए) की मदद से सरकार की ओर से प्रत्येक वर्ष एक न्यूनतम साझेदारी योजना शामिल की गई

प्राप्त सहयोग

- केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ब्लॉक आर्थिक अंश से बच्चों के कल्याण के लिए 24 लाख रुपये से अधिक और रिबिल्ड केरल इनिशिएटिव से सहायता के रूप में खर्च किए
- रिबिल्ड केरल इनिशिएटिव (आर.के.आई) योजना के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों के भवनों का निर्माण।

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- संबंधित पंचायत समिति द्वारा विषयगत उपलब्धि पर लगातार मासिक समीक्षा आंगनवाड़ी केन्द्रों का नियमित रखरखाव
- राज्य द्वारा आवंटित 2 करोड़ रुपये की धनराशि से विद्यालय भवन का निर्माण

सिरा-ए

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: लट्टी
जिला पंचायत: उधमपुर, राज्य: जम्मू और कश्मीर

बाल-हितैषी पंचायत

2
द्वितीय पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 240241
कुल जनसंख्या- 1632 (पुरुष- 864, महिलाएं - 768)
कुल सरकारी स्कूल: 9 (2 प्राथमिक, 3 मिडिल और 1 उच्च विद्यालय)
कुल आंगनवाड़ी केंद्र: 4
कुल बच्चे: 650

प्रमुख उपलब्धियां

- पूर्वस्कूली शिक्षा के लिए स्टाफ, बुनियादी ढांचे और सुविधाओं से सुसज्जित चार आंगनवाड़ी केंद्र। बच्चों के सर्वांगीण
- विकास के लिए खेल के मैदान, स्मार्ट क्लास और अन्य बुनियादी सुविधाओं जैसी सुविधाओं की उपलब्धता
- 100% नामांकन और शून्य ड्रॉपआउट दर
- 4 आशा कार्यकर्ताओं सहित पर्याप्त स्टाफ वाले एक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र ने 100% टीकाकरण हासिल किया है और माहवारी स्वच्छता के बारे में जागरूकता बढ़ाई है
- नियमित बाल सभाओं का आयोजन
- बाल संरक्षण समिति के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए ग्राम सभा की प्रत्येक बैठक में एक अनिवार्य कार्यसूची मद को शामिल करना

चुनौतियाँ

- सामाजिक और आर्थिक बुनियादी ढांचे का अभाव
- स्कूलों में स्टाफ की कमी
- बच्चों में कुपोषण की व्यापकता
- छात्राओं के लिए अलग शौचालय की सुविधा न होने के कारण ड्रॉपआउट
- विद्यालयों में मध्याह्न भोजन से संबंधित दोषपूर्ण कार्यान्वयन
- माहवारी स्वच्छता के बारे में बालिकाओं में जागरूकता की कमी

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- पंचायतों की सक्रिय भागीदारी के कारण एमडीएम और आईसीडीएस में सुधार
- संबंधित विद्यालयों में बालिकाओं के लिए अलग से नए शौचालयों का निर्माण
- इसके प्रभावी कार्यान्वयन के लिए विभिन्न बाल उन्मुख योजनाओं का नियमित सामाजिक लेखापरीक्षा, बच्चों के दृष्टिकोण को समझने के लिए नियमित बाल सभाओं का आयोजन बाल स्टंटिंग/ शारीरिक विकास में अवरोध और वेस्टिंग/ अपक्षय रोगों को कम करने के लिए नियमित चिकित्सा और स्वास्थ्य जागरूकता शिविरों का आयोजन, बच्चों में स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से खेलकूद संबंधी कार्यक्रमों का आयोजन करना। | बाल-उन्मुख बुनियादी ढांचे जैसे खेल के मैदान, बालवाड़ी, आईसीटी आदि में वर्गीकृत निवेश

प्राप्त सहयोग

- स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित स्वास्थ्य जांच एवं बच्चों के बीच दवाईयों का वितरण
- समाज कल्याण विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्रों में मूलभूत सुविधाओं में सुधार
- ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत के प्रमुख स्कूलों में जिला कैपेक्स के तहत आईसीटी बुनियादी ढांचा प्रदान किया, शिक्षा विभाग द्वारा बालवाड़ी की स्थापना
- युवा सेवा एवं खेल विभाग द्वारा समय-समय पर खेल-कूद कार्यक्रमों का आयोजन

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- पंचायत का उद्देश्य सभी स्कूलों में आईसीटी लैब स्थापित करना और एमडीएम और आईसीडीएस योजनाओं का पारदर्शी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है
- पंचायत इसे सतत बनाने के लिए मानव संसाधन विकास में और अधिक निवेश करने पर विचार कर रही है।

हसुड़ी औसानपुर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: अजवापुर
जिला पंचायत: सिद्धार्थ नगर, राज्य: उत्तर प्रदेश

बाल-हितैषी पंचायत

3 तृतीय पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा :

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 274008
कुल जनसंख्या: 1024 (पुरुष- 483, महिलाएं - 541)
कुल स्कूल: 1
कुल आंगनवाड़ी केंद्र: 1
कुल बच्चे (6-59 माह आयु): 24
कुल परिवार: 148

प्रमुख उपलब्धियां

- पीएम-श्री के लिए एक स्कूल का चयन, भारत की पहली ग्रामीण अंतरिक्ष प्रयोगशाला हसुड़ी औसानपुर में स्थापित की गई है जो प्रशिक्षण और टोबोटिक्स:संवर्धित वास्तविकता वर्चुअल वास्तविकता, ड्रोन, उपग्रह, रॉकेट आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित करती है. | सरकारी स्कूल के छात्रों ने अहमदाबाद, गुजरात में इसरो (ISRO) के अंतरिक्ष एप्लिकेशनों केंद्र में अपनी इक्स्पोजर विजिट/ यात्रा पूरी की। इस यात्रा के दौरान उन्हें उपग्रह निर्माण और आम लोगों के जीवन में उनके उपयोग के बारे में सिखाया गया । स्कूल में नियोजित शिक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सफाई कर्मचारी भी सरकारी स्कूल में ही पढ़ते हैं, जिसने स्थानीय लोगों के भीतर अपने बच्चों को कॉन्वेंट स्कूलों के बजाय गांव के सरकारी स्कूल में भेजने के लिए विश्वास पैदा किया है। सरकारी स्कूल द्वारा शुरू की गई एक अंतरिक्ष प्रदर्शनी ने सिद्धार्थ नगर जिले के 741 से अधिक सरकारी स्कूलों के 10,000 से अधिक छात्रों को आकर्षित किया।
- छात्रों ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) द्वारा आयोजित अंतरिक्ष ग्राम थीम में भाग लिया और 'सर्वश्रेष्ठ ग्रामीण शिक्षा पुरस्कार' जीता।

चुनौतियाँ

- अपर्याप्त धनराशि
- खेल के मैदान की जमीन और स्कूल की जमीन पर अवैध कब्जा अधिकार
- विध्यार्थियों की आबादी की तुलना में शिक्षकों की कमी। स्कूल में 300 से
- अधिक छात्रों के लिए केवल 6-7 शिक्षक थे जिससे असुविधा होती थी

समाधान दृष्टिकोण (Approach Taken)

- ग्राम सभा बैठकों और धनराशि एकत्रित करने के माध्यम से ग्रामीणों में चुनौतियों से उबरने के लिए जागरूकता सृजन करना
- राज्य वित्त आयोग और केंद्रीय वित्त आयोग, मनरेगा और जनता के सहयोग से स्कूल की संपत्ति, बच्चों के खेल के मैदान, ओपन जिम और इंपैक्ट लैब का निर्माण
- सरकारी स्कूल में वातानुकूलन, बेंच, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास, आरओ वाटर सप्लाई, लाइब्रेरी और सीसीटीवी जैसी सुविधाएं प्रदान की जाती हैं ,पुलिस विभाग, राजस्व विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से अवैध रूप से अधिकृत स्कूल व खेल के मैदान की जमीन को मुक्त कराया गया

प्राप्त सहयोग

- केंद्र और राज्य सरकारों ने विकास की प्रक्रिया के दौरान वित्तीय, तकनीकी और प्रशासनिक सहायता प्रदान की

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- IT-BHU ने एक पहल कार्बन न्यूट्रल पंचायत के साथ पंचायत को अपनाया है
- मौसम की स्थिति, बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं की संभावनाओं की निगरानी द्वारा किसानों और ग्रामीणों को अपने खेतों को संरक्षित करने/सावधानी बरतने में मदद करने के लिए एक उपग्रह बनाने के लिए इसरो द्वारा छात्रों की सहायता।
- नासा-रोवर चैलेंज 2024 में छात्रों की भागीदारी।
- पूरे राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उद्यमिता के क्षेत्र में युवाओं के लिए अवसरों की खोज और निर्माण।

जल पर्याप्त पंचायत

एक जल पर्याप्त पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति के कार्यशील/चालू हालत में घरेलू नल कनेक्शन
- प्रभावी जल प्रबंधन
- कृषि और सभी ज़रूरतों के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी की उपलब्धता
- जल पारिस्थितिकी तंत्र (water ecosystem) का संरक्षण

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- सभी के लिए पर्याप्त साफ पानी और पेयजल की सुविधा तक पहुंच
- स्वच्छता सुविधाओं तक सभी की पहुंच
- घरेलू शौचालयों का 100% उपयोग सुनिश्चित करना
- धूसर जल/ ग्रे वाटर उपचार और शुद्धिकरण पर तंत्र तैयार करना
- भू-जल की कमी, आर्सेनिक संदूषण को रोकना
- वर्षा जल संचयन और भू-जल पुनर्भरण
- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल एवं स्वच्छता समितियों का गठन

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- पानी और स्वच्छता संपत्तियों के उपयोग और प्रबंधन पर लोगों को शिक्षित करना
- स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में लड़कों और लड़कियों के लिए पर्याप्त और
- अलग-अलग कार्यात्मक शौचालय की सुविधा सुनिश्चित करना
- सार्वजनिक शौचालयों का रखरखाव सुनिश्चित करना
  जल आपूर्ति और धूसर जल/ ग्रे वाटर प्रबंधन प्रौद्योगिकी जैसे मैजिक पिट्स,
- किचन गार्डनिंग आदि को अपनाना और आधुनिक कृषि और जल उपयोग
- प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना
- पर्याप्त और पीने योग्य पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित एजेंसियों के साथ संपर्क करना
- संपत्ति प्रबंधन के लिए जन समिति का गठन और उनका क्षमता निर्माण
  जल परीक्षण के माध्यम से जल निकायों की सुरक्षा और जल गुणवत्ता की निगरानी करना

नेल्लुतला

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: लिंगलघनपुर
जिला पंचायत : जनगांव राज्य: तेलंगाना

जल पर्याप्त पंचायत

1st PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 213745
कुल गांव: 1
कुल जनसंख्या: 5646 (पुरुष: 2882, महिलाएं: 2764)
कुल परिवार: 1804

प्रमुख उपलब्धियां

- ग्राम पंचायत में सभी घरों और सार्वजनिक संस्थानों में 100% नल जल कनेक्शन
- जल संरक्षण के लिए कई घरों पर कई चेक डैम, फार्म पोंड, परकोलेशन टैंक, मैजिक सोक पिट्स, कम्युनिटी सोक पिट्स और रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर का निर्माण किया
- टाइफाइड, जीई (Gastroenteritis) और डायरिया जैसी जल जनित बीमारियों की शून्य घटना
- सभी घरों को 65 से अधिक एलपीसीडी पानी उपलब्ध कराया गया

चुनौतियाँ

- पहले पानी की कमी रहती थी, ग्रामीण पानी लेने के लिए दूर-दूर जाते थे
- पानी की खराब गुणवत्ता के कारण टाइफाइड, जीई और डायरिया जैसी जल जनित बीमारियां
- पानी की मौसमी कमी
- पीने के पानी का समान वितरण नहीं होना
- घरों के साथ-साथ कृषि जरूरतों को पूरा करने के लिए भू-जल स्तर बहुत खराब था

समाधान दृष्टिकोण

- मिशन भागीरथ/जल जीवन मिशन के तहत हर घर में नल कनेक्शन दिया जाता है। मौसमी कमी से टाला गया और गुणवत्ता संरक्षित पानी की आपूर्ति की गई
- गुणवत्ता जांच के लिए पानी की टंकियों की नियमित सफाई और फील्ड टेस्ट किट (FTK) द्वारा परीक्षण किया गया
- जनप्रतिनिधियों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को शामिल करते हुए पानी और स्वच्छता के लिए काम करने वाली स्थायी समितियों का गठन किया
- मनरेगा/जल शक्ति अभियान के तहत छत के वर्षा जल संचयन संरचना आदि जैसी जल संचयन संरचनाओं को लेकर भूजल स्तर में सुधार किया गया

प्राप्त सहयोग

- पंचायत द्वारा लिए गए निर्णयों को सभी निधियों के साथ मिलाकर लागू करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की सभी निधियों का उपयोग किया गया है
- पंचायत ने चंदा इच्छा किया और अपने स्रोतों को एक अतिरिक्त के रूप में जोड़ा
- केंद्र सरकार के कार्यक्रमों/योजनाओं जैसे जल जीवन मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, राष्ट्रीय जल मिशन, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना आदि के फंड का उपयोग ग्राम पंचायत को जलापूर्ति/संरक्षण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए किया जाता है

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- जल प्रदूषण को रोकने और जल संरक्षण के लिए कुछ कदम उठाने के लिए नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना
- भंडारण (स्टोरेज) टैंकों की सफाई और क्लोरीनीकरण के लिए साप्ताहिक (प्रत्येक शुक्रवार) आवंटित किया गया
- सरकारी कार्यक्रमों को अपनाकर जल संरक्षण गतिविधियों, पानी की बचत, सुरक्षित पेयजल और पर्यावरण के संरक्षण के फायदों के बारे में ग्रामीणों को जागरूक करना

पेरूमपडप्पा

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: पेरूमपडप्पु
जिला पंचायत: मलप्पुरम राज्य: केरल

जल पर्याप्त पंचायत

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 221564
कुल गांव: 1
कुल जनसंख्या: 29766 (पुरुष: 13553, महिलाएं: 16213)
कुल परिवार: 7072

प्रमुख उपलब्धियां

- तालाबों और कुओं का निर्माण
- 100 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल वाली प्रत्येक इमारत के लिए वर्षा जल संचयन प्रणाली अनिवार्य की गई
- दो पेयजल संग्रहण एवं वितरण प्रणाली से 300 परिवार लाभान्वित
- खारे पानी की आमद को रोकने के लिए नहर के आर-पार वेंटेड क्रॉस बार (वीसीबी) का निर्माण किया
- जल निकायों के प्रदूषण को रोकने के लिए हर कॉलोनी में जल निकासी की व्यवस्था
- बाढ़ नियंत्रण उपाय के रूप में जल निकासी को समुद्र में साफ करना

चुनौतियाँ

- पंचायत में लंबा समुद्री तट और पहाड़ी क्षेत्र शामिल हैं
- पश्चिमी भाग में तटीय बाढ़
- खारे पानी से प्रभावित
- गर्मी के मौसम में पीने के पानी की कमी
- सार्वजनिक जल निकायों और बाढ़ का प्रदूषण

समाधान दृष्टिकोण

- नए जल संसाधनों का निर्माण, मौजूदा जल निकायों का कायाकल्प, सिंचाई नहरों की गाद निकालना, भूजल में वृद्धि करना।
- विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से घरों में खुले कुओं और सार्वजनिक जल निकायों में पानी की गुणवत्ता का परीक्षण किया गया
- तटीय सुरक्षा के लिए जैव विविधता पार्क, जैव विविधता, मैंग्रोव नर्सरी, ग्रीन कैनोपी बनाने के लिए जैव विधियों को अपनाया

प्राप्त सहयोग

- निम्न से सहयोग/ अनुदान प्राप्त हुआ:
  - केंद्रीय वित्त आयोग
  - राज्य विकास निधि
  - मनरेगा
  - हरिता केरलम मिशन
  - KFRI, KUFOS आदि से तकनीकी सहायता
  - जल जीवन मिशन (JJM)

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- ग्राम स्तरीय जल एवं स्वच्छता समिति पंचायत गतिविधियों की निगरानी के लिए हर दो महीने में बैठक बुलाती है
- ग्राम स्तरीय कार्य योजना का पालन किया जा रहा है
- जल संरक्षण पर जागरूकता के लिए उपयोग किए जाने वाले आईईसी (IEC) उपकरण
- लोगों को गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुनिश्चित करने के लिए जेजेएम (JJM) की शुरुआत की
- मनरेगा के माध्यम से तालाबों और जलवाहक निकायों को सुरक्षित और स्वच्छ बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं

फाल्मर्ग

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: तारथपोटा
जिला पंचायत: कुपवाड़ा संघ राज्य क्षेत्र: जम्मू और कश्मीर

जल पर्याप्त पंचायत

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 239424
कुल गांव: 1
कुल जनसंख्या: 1171 (पुरुष: 595, महिलाएं: 576)
कुल परिवार: 112

प्रमुख उपलब्धियां

- पंचायत, जल शक्ति विभाग, महिला और अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों को सदस्यों के रूप में शामिल करते हुए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का गठन
- जल जीवन मिशन ग्रामीण के तहत ग्राम पंचायत के प्रत्येक घर को नल से पानी का कनेक्शन प्रदान किया गया
- मिशन अमृत सरोवर के तहत तीन वर्षा जल संचयन टैंक बनाए गए और सिंचाई के लिए एक बांध का निर्माण किया गया
- हेचमर्ग में स्थित पेयजल टैंक का ज़मीनी जल परीक्षण और क्लोरीनीकरण साप्ताहिक आधार पर किया जाता है
- नियमित जागरूकता शिविरों के माध्यम से, लोगों को जल संरक्षण के बारे में जागरूक किया जा रहा है

चुनौतियाँ

- पहाड़ी इलाका होने के कारण हेचमर्ग स्थित स्टोरेज टैंक से फालमर्ग तक जलापूर्ति पाइपों को बिछाना और उठाना मुश्किल कार्य था
- पंचायत के अधिक ऊंचाई वाले स्थान के कारण भूमिगत जल का इष्टतम उपयोग मुश्किल था
- लगभग 4-5 महीनों तक भारी बर्फबारी के कारण साल भर पोटेंबल पानी की पर्याप्त आपूर्ति करना बहुत मुश्किल हो गया

समाधान दृष्टिकोण

- ग्राम पानी समिति ने सक्रिय रूप से काम किया और नियमित अंतर-विभागीय बैठकों के साथ, चुनौतियों का सामना करने और निवासियों के सामने आने वाले मुद्दों का समाधान करने में मदद की

प्राप्त सहयोग

- ग्रामीण विकास विभागों और जल शक्ति विभागों से चुनौतियों का समाधान करने में सक्रिय प्राप्त सहयोग हुआ

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- पंचायत ने सतत जल पर्याप्त ग्राम पंचायत के लिए पानी बचाने, पानी का पुन: उपयोग करने और पानी की आवश्यकता को कम करने का संकल्प लिया है
- आम जनता और स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा

स्वच्छ और हरित पंचायत

एक जल पर्याप्त पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- इसकी जैव विविधता का मानचित्रण और संरक्षण
- नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना और बढ़ावा देना

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- सभी घरों में ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों तक 100% पहुंच और इसके
- उपयोग को बढ़ावा देना
- जलाऊ लकड़ी का उपयोग कम करना
- खुले में शौच मुक्त+ स्थिति (ओडीएफ) प्राप्त करना
- वनीकरण
- जैव-विविधता रजिस्टरों का रखरखाव और इसकी निगरानी और संरक्षण

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना
- सभी पात्र लाभार्थियों को व्यक्तिगत घरेलू शौचालय (आई.एच.एच.एल) प्रदान करना
- बिजली का कुशल वितरण
- प्रभावी तरल और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली तैयार करना
- स्थानीय जल संसाधनों का दोहन/ इस्तेमाल
- वनों, जल निकायों और पवित्र उपवनों सहित प्राकृतिक संसाधनों का समुदाय आधारित प्रबंधन
- अधिक ढलान वाले क्षेत्रों में, सड़कों के किनारे और बंजर और अन्य सामान्य भूमि में प्राकृतिक वनस्पति का रोपण
- जैविक खेती और टिकाऊ/ निरंतर मछली पकड़ने को बढ़ावा देना
- मत्स्य पालन के लिए सामुदायिक तालाबों को प्रोत्साहित करना
- प्राकृतिक संरक्षण की बहाली के लिए गठित स्थायी समिति/कार्य समिति को अधिकार देना
- सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर रोक

कुंडल

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: पालुस
जिला पंचायत: सांगली राज्य: महाराष्ट्र

स्वच्छ और हरित पंचायत

1st PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 188735
कुल गाँव: 1
कुल जनसंख्या : 18287 (पुरुष : 9432, महिलाएं: 8855)
कुल परिवार: 3835
कुल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवार: 3835
कुल सोलर लाइट: 35

प्रमुख उपलब्धियां

- कुंडल ग्राम पंचायत को नवाचारी कार्यों के साथ ग्रीन-क्लीन परिसर कहा जाता है, और इसने 3835 घरों और सरकारी और अर्ध सरकारी भवनों के लिए 100% ठोस और अपशिष्ट प्रबंधन प्रदान किया है
- ग्राम पंचायत और समुदाय के सदस्यों के ठोस प्रयासों के कारण, एक ग्रे वाटर मैनेजमेंट सिस्टम सफलतापूर्वक स्थापित किया गया है, यह ग्रे वाटर के 100% उपचार को सुनिश्चित करता है
- गांव में बारिश के पानी का संग्रहण कर पानी की कमी को दूर करने के लिए रूफ टॉप टैंक वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लागू किया गया है
- 100% घरेलू बिजली में एलईडी लाइट का उपयोग। जीपी ने डब्ल्यूटीपी प्लांट स्थापित किया है और सभी घरों में स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रही है
- ग्राम पंचायत में वन्य जीवन और पौधों के वनीकरण और संरक्षण के लिए लगभग 4000 पेड़ लगाए गए हैं और सामाजिक वानिकी के माध्यम से हरित क्षेत्र में वृद्धि की गई है

चुनौतियाँ

- स्वच्छता और पर्यावरण के बारे में निवासियों के बीच जागरूकता, सौर ऊर्जा का अधिक उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन आदि

समाधान दृष्टिकोण

- ग्राम स्वच्छता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। इस गाडगेबाबा अभियान का नाम एक प्रख्यात संत के नाम पर रखा गया
- डोर टू डोर अभियान, सोशल मीडिया आदि जैसे विभिन्न प्लेटफार्मों के माध्यम से समुदाय तक पहुंचा और उन्हें स्वच्छ और हरित गांव बनाने के लिए आश्वस्त किया

प्राप्त सहयोग

- महाराष्ट्र सरकार और केंद्र सरकार के सरकारी विभागों (15वें वित्त आयोग, मनरेगा आदि) से पर्याप्त धनराशि
- निजी संस्थाओं से भी सहयोग प्राप्त हुआ तथा पंचायत ने स्वयं के राजस्व स्रोतों से अर्जित 71,58,247/- रु

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- प्लास्टिक रिसाइक्लिंग पर काम कर प्रदूषण कम करना और उससे राजस्व प्राप्त करना
- समितियों के माध्यम से सतत निगरानी और हितधारकों का प्रशिक्षण ताकि स्थिरता बनी रहे

स्यासन अंबागम

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: हिंजलीकट
जिला पंचायत: गंजम राज्य: ओडिशा

स्वच्छ और हरित पंचायत

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 117782
कुल गाँव: 2
कुल जनसंख्या : 5244 (पुरुष : 2508, महिलाएं: 2736)
कुल परिवार: 1207
कुल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवार: 514
कुल सोलर लाइट: 6

प्रमुख उपलब्धियां

- एक व्यापक योजना के माध्यम से उपयुक्त ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन जिसमें दैनिक आधार पर डोर टू डोर कचरा संग्रह शामिल है, सामुदायिक खाद प्रबंधन (MCC) और ग्रामीण खेती के प्रबंधन (MRF) के माध्यम से कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण शामिल है ताकि ग्राम पंचायत को स्वच्छ और स्वच्छ बनाया जा सके
- ग्राम स्वच्छता समिति द्वारा नियमित सफाई अभियान चलाया जा रहा है
- एमसीसी/एमआरएफ, कम्युनिटी कम्पोस्ट पिट, इंस्टीट्यूशन कम्पोस्ट पिट आदि जैसी संसाधनों का निर्माण
- वन्य जीवन और पौधों के संरक्षण और सामाजिक वानिकी के माध्यम से हरित क्षेत्र में वृद्धि के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण गतिविधियां शुरू की गई है
- लघु सिंचाई के लिए ऊर्जा कुशल सोर पंपों की स्थापना
- वनों, जल निकायों और पवित्र उपवनो सहित प्राकृतिक संसाधनों का समुदाय आधारित प्रबंधन

चुनौतियाँ

- घरेलू अपशिष्ट उत्पाद के पृथक्करण में जागरूकता का अभाव
- घरेलू कचरे के उचित उपचार के संबंध में ग्रामीणों को शिक्षित और प्रेरित करना

समाधान दृष्टिकोण

- सामुदायिक खाद प्रबंधन (MCC) और ग्रामीण खेती के प्रबंधन (MRF) में बाद में उपचार/ परिशोधन के लिए ग्रामीणों को अपने घरेलू कचरे को डोर टू डोर कचरा संग्रहण वाहनों को सौंपने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आईईसी गतिविधियों की एक श्रृंखला शुरू की गई
- ग्राम पंचायत ग्रीन बनाने के लिए मनरेगा के माध्यम से बड़े पैमाने पर एवेन्यू वृक्षारोपण, तटबंध वृक्षारोपण और वनीकरण परियोजनाएं शुरू की गई

प्राप्त सहयोग

- स्वच्छता योजना संबंधी गतिविधियों से संबंधित सरकारी योजनाओं को लागू करने के लिए ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति ने बेहतर प्रबंधन के लिए कई बैठकें आयोजित कीं
- ग्राम पंचायत के स्वयं के राजस्व के स्रोत (करों/किरायों आदि से प्राप्त) से ग्राम पंचायत को स्वच्छ और हरित बनाए रखने के लिए 3,42,084/- रुपये की राशि खर्च की गई

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- बायो-गैस प्रणालियों का निर्माण और उपयोग
- घरों और सार्वजनिक स्थानों में सौर ऊर्जा का उपयोग
- अधिक ढलान वाले क्षेत्रों, बंजर और अन्य सामान्य भूमि और सड़कों के किनारे प्राकृतिक वनस्पति का रोपण

सुल्तानपुर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: एलिगेड
जिला पंचायत: पेद्दापल्ली राज्य: तेलंगाना

स्वच्छ और हरित पंचायत

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 201112
कुल गाँव: 1
कुल जनसंख्या : 3467 (पुरुष : 1704, महिलाएं: 1763)
कुल परिवार: 728
कुल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) परिवार: 42
कुल सौर रोशनी: 11

प्रमुख उपलब्धियां

- पृथक्करण शेड का निर्माण किया गया है। कंपोस्ट तैयार करने के लिए गीले कचरे का अच्छी तरह से उपयोग किया जाता है।
- हरियाली फैलाने/ बढ़ाने के लिए करीब 50,000 पौधे रोपे गए
- ग्राम पंचायत को स्वच्छ और हरित बनाए रखने के लिए ग्रामीणों के बीच जिम्मेदारी की भावना को आत्मसात किया है। जीपी ने अपने प्रत्येक घर में 6 पौधे वितरित किए हैं
- हर घर में आईएचएचएल (IHHL), किचन गार्डन और अच्छी तरह से बनाए गए सोख्ता गड्ढे (Soak Pits) हैं जिससे ग्राम पंचायत को 100% ओडीएफ का दर्जा हासिल करने में मदद मिली
- सभी प्रकार के पानी को रिसोर्स करने के लिए सामुदायिक सोख्ता गड्ढों का निर्माण किया जाता है।
- ग्रे वाटर/ धूसर जल को सिंचाई के उद्देश्य से संरक्षित गड्ढों में संरक्षित और शुद्ध किया जाता है

चुनौतियाँ

- अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों के प्रति निवासियों के बीच सहयोग और जागरूकता का अभाव
- टिकाऊ गतिविधियों को लागू करने के लिए सीमित संसाधन और धन
- जैविक खेती पद्धतियों को अपनाने के लिए किसानों का विरोध

समाधान दृष्टिकोण

- स्थायी कार्यों को सम्पेन्नर करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए
- लोगों को मनरेगा कार्य करने के लिए प्रेरित किया
- पौधों को संरक्षित करने के लिए चट्टानी मिट्टी के पौधों में वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग
- कूड़ा उठाने के लिए ट्रैक्टर व ट्राली की खरीद

प्राप्त सहयोग

- केंद्र सरकार और तेलंगाना सरकार ने स्थायी गतिविधियों को लागू करने के लिए वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता प्रदान की
- वीडब्ल्यूएससी, स्थायी समिति और जैव विविधता समिति की बैठक हुई और साथ में ग्राम पंचायत को स्वच्छ और हरित बनाने का संकल्प लिया गया

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- स्थायी प्रथाओं और पहलों को बढ़ावा देना
- पर्यावरण और समुदाय पर उनके प्रभाव की निगरानी करें
- पहल के रखरखाव और देखभाल में समुदाय को शामिल करें

आत्मनिर्भर बुनियादी
ढांचे युक्त पंचायत

आत्मनिर्भर बुनियादी ढाँचे वाली पंचायत वह है जो सभी के लिए पर्याप्त, सुरक्षित और किफायती आवास और बुनियादी सेवाओं और संबंधित बुनियादी ढाँचे तक पहुँच सुनिश्चित करती है।

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- पक्की सड़कों और स्ट्रीट लाइट की सुविधा
- 100% पात्र परिवारों को आवास की उपलब्धता
- 100% घरों में शौचालयों की उपलब्धता और उपयोग
- सभी स्थानों पर उचित जल निकासी की सुविधा
- 100% घरों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता
- जल और स्वच्छता संपत्तियों के उपयोग और प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर 100% परिवारों को शिक्षित करना

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाड़ी, स्कूल का निर्माण एवं रख-रखाव एवं शौचालय एवं पेयजल की व्यवस्था
- बंद और ढकी हुई नालियों का निर्माण करके सीवेज प्रणाली को तैयार करना
- अनुशंसित चिकित्सा सुविधाओं (बिस्तर, उपकरण आदि) के साथ उप-केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- बस शेल्टर और प्रमुख गांवों/सड़कों से संपर्क सुनिश्चित करना
- ग्राम पंचायत भवन में कम्प्यूटर एवं इंटरनेट सुविधा सुनिश्चित करना
- सेवा सर्वेक्षणों के माध्यम से बुनियादी ढांचे की आवश्यकता का आकलन करना
- पंचायत संपत्तियों के प्रबंधन के लिए समुदाय के सदस्यों के साथ समितियों का सृजन / गठन
- खाना पकाने, गर्म करने, प्रकाश व्यवस्था, सिंचाई, घरेलू खाद्य प्रसंस्करण, उद्योगों, वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों जैसे दुकानों और होटलों आदि के लिए ऊर्जा की जरूरतों का आकलन करना

वीयापुरम

ग्राम पंचायत
ब्लॉक पंचायत : हरिप्पद
जिला पंचायत: अलप्पुझा राज्य: केरल

आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे युक्त पंचायत

1st PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 221005
कुल जनसंख्या- 11392 (पुरुष- 5239, महिलाएं - 6153) (जनगणना 2011 के अनुसार)
क्षेत्र: 14 वर्ग किमी
कुल परिवार - 3923
कुल वार्ड -13

प्रमुख उपलब्धियां

- पूरी तरह से डिजिटल और कंप्यूटर एवं संबंधित बुनियादी अवसंरचना से सज्जित
- नागरिकों के सूचना के अधिकार को सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक सूचना बोर्ड
- आवश्यक बुनियादी ढांचे के साथ पूर्ण सुविधायुक्त स्कूल
- सुरक्षा सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने से रोकने के लिए मुख्य सड़कों, पुलों के किनारे सीसीटीवी (CCTV) लगाए गए हैं
- 100% परिवार बारहमासी सड़कों / ऑल वेदर रोड से जुड़े हुए हैं और विद्युतीकृत हैं
- 100% गलियों और उप गलियों, सड़कों और पुलों पर ऊर्जा कुशल एलईडी लाइटें
- जंक्शन पर सोलर हाईमास्ट लाइटें
- अस्पताल अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली , फाइल ट्रैकिंग

चुनौतियाँ

- अनुदान की कमी
- समय-समय पर बाढ़ का प्रभाव

समाधान दृष्टिकोण

- सम्मिलन के माध्यम से सड़क, स्ट्रीट लाइट, जल निकासी, शौचालय जैसी अवसंरचनाओं का निर्माण
- केरल जल प्राधिकरण द्वारा सहायता प्राप्त जल जीवन मिशन, केरल राज्य विद्युत बोर्ड के साथ उजाला योजना
- प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आजीविका समावेशन वित्तीय सशक्तिकरण के तहत आवास योजनाओं को कार्यान्वित किया

प्राप्त सहयोग

- योजनागत निधि, केंद्र और राज्य प्रायोजित योजनाएं और स्वैच्छिक योगदान

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- परिसंपत्ति रजिस्टर, सड़क कनेक्टिविटी मानचित्र, जैव विवधता रजिस्टर और जियो टैगिंग के डिजिटलीकरण के जरिए परिसंपत्ति प्रबंधन
- सामाजिक संपरीक्षा और लाभार्थी समितियों द्वारा संपत्तियों की आवधिक निगरानी और रखरखाव
- संबंधित हितधारकों और अधिकारियों के लिए आईईसी अभियान और प्रशिक्षण कार्यक्रम

लक्ष्मी नगर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: कैंपबेल बे
जिला पंचायत: दक्षिण अंडमान संघ राज्य क्षेत्र : अंडमान और निकोबार द्वीप समूह

आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे युक्त पंचायत

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 234531
कुल जनसंख्या- 2747 (पुरुष-1473, महिलाएं -1274) (जनगणना 2011 के अनुसार)
कुल वार्ड -11
कुल ग्राम -5

प्रमुख उपलब्धियां

- पेयजल और शौचालय सुविधा सहित सामुदायिक हॉल का विकास
- एक क्षेत्रीय पुस्तकालय का निर्माण
- पंचायत भवन कंप्यूटर और संबंधित बुनियादी ढांचे, इंटरनेट सुविधा, पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, बैठक कक्ष, पेयजल सुविधा और आवश्यक फर्नीचर से सुसज्जित है
- गाँवों के कोने-कोने तक पहुँचने के लिए बारहमासी/ ऑल वेदर रोड सड़कों का निर्माण
- जल निकासी व्यवस्था का निर्माण
- गाँवों में घर-घर जाकर अलग-अलग ठोस अपशिष्ट (सूखा कचरा) का संग्रहण
- सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइट की सुविधा
- ग्राम पंचायत के अंतर्गत शॉपिंग काम्प्लेक्स का निर्माण एवं रख-रखाव
- ग्राम पंचायत के अंतर्गत मौजूदा आंगनवाड़ी केंद्रों का रखरखाव
- ग्राम पंचायत के अंतर्गत मौजूदा पार्क और खेल के मैदान का रखरखाव

चुनौतियाँ

- जमीनी स्तर पर आयोजना और समग्र बजट और योजनाओं की तैयारी में हितधारकों, विभागों के प्रतिनिधियों और ग्रामीणों के बीच भागीदारी और रचनात्मक चर्चाओं का अभाव
- भूमि अभ्यर्पण की शीघ्र उपलब्धता, एनओसी प्राप्त करने, भूमि की अनापत्ति, कार्यों को समय पर पूरा करने, निर्माण के लिए कच्चे माल की उपलब्धता आदि जैसी विभिन्न बाधाओं को दूर करने पर विचार किया जाना और कार्य पूरा करना
- खराब मौसम के कारण विभिन्न कार्यों, प्रस्तावों या गतिविधियों के निष्पादन या कार्यान्वयन के दौरान कठिनाई को दूर करना पड़ता है
- अनुदानों का उचित और समय पर उपयोग, स्व-स्रोत राजस्व (ओएसआर) संसाधनों को बढ़ाने के प्रयास और समय-समय पर जारी और यथा संशोधित पंचायती राज के मानदंडों और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए प्रस्ताव तैयार करना

समाधान दृष्टिकोण

- निर्णय लेने और योजना प्रक्रिया में संबंधित विभागों के अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, केंद्र के सक्षम व्यक्तियों और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों सहित अधिकाधिक ग्रामीणों को सम्मिलित करने के लिए ग्राम सभाओं और जागरूकता बैठकों का आयोजन किया
- क्षेत्र का दौरा, निरीक्षण, ग्रामीणों को सम्मिलित करते हुए विभिन्न समितियों का गठन, वार्ड सभा, महिला सभा, जागरूकता शिविर एवं जनसंचार माध्यमों के माध्यम से सूचना का प्रसार, घोषणा, व्हाट्सएप ग्रुप, वर्चुअल बैठकें, वार्ड सदस्य का निर्णय आदि किया गया और गाँव के प्रत्येक व्यक्ति को एक दूसरे से जोड़ने के लिए प्रयास किए गए

प्राप्त सहयोग

- पूरी प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों, ग्राम पंचायतों कर्मचारियों और अन्य सभी हितधारकों, मुख्य रूप से ग्रामीणों से व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ।
- आरडी, पीआरआई और यूएलबी निदेशालय के तहत सीडी ब्लॉक कैंपबेल बे ने जब भी आवश्यक हो, पूर्ण समर्थन और मार्गदर्शन दिया है।

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- ग्राम पंचायत विकास योजना के अन्तर्गत आयोजना एवं कार्यान्वयन प्रक्रिया में जनभागीदारी बढ़ाने के प्रयास
- पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से निधियों का उपयोग
- समग्र विकास प्रक्रिया के लिए राजस्व के अपने स्रोत को बढ़ाने के लिए नए रास्ते तलाशना

गंभीरावपेट

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: गंभीरावपेट
जिला पंचायत: राजन्ना सिरसिला राज्य: तेलंगाना

आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचे युक्त पंचायत

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 201157
कुल जनसंख्या- 11545 (पुरुष- 5787, महिलाएं - 5758) (जनगणना 2011 के अनुसार)
कुल परिवार- 3543
कुल गांव -1

प्रमुख उपलब्धियां

- स्ट्रीट लाइट का 100% कवरेज
- 6 एकड़ भूमि पर निजी संस्थानों के सहयोग से 3 करोड़ रुपये की अहितीय परिसर का निर्माण किया
- पीएमएवाई के तहत जरूरतमंद लोगों के लिए दो शयन कक्ष का निर्माण
- पुस्तकालय, सामुदायिक भवन, आंगनवाड़ी केंद्र
- प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, पशु चिकित्सालय, विलेज पार्क, मिनी टैंक बांध, खेल के मैदान, खुली व्यायामशाला, बच्चों के खेलने के लिए परिसर
- वाह, चक्रवात, आपदा राहत के लिए निर्दिष्ट सामुदायिक केंद्रों, 3 सेवा केंद्रों और 3 आधार सेवा केंद्रों का निर्माण किया
- ई-सेवाएं जैसे जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, घर की अनुमति, गृह नामांतरण, व्यापार लाइसेंस, जाति, आय प्रमाण पत्र आदि सुनिश्चित करना
- जनहित पोर्टल में ई-शिकायतों का पंजीकरण

चुनौतियाँ

- भूमि अधिग्रहण, जर्जर भवनों को गिराने में समुदाय का कड़ा प्रतिरोध
- पर्याप्त निधियों की कमी
- सार्वजनिक निजी भागीदारी का अभाव

समाधान दृष्टिकोण

- संबंधित विभागों, संस्थानों और कंपनियों आदि के साथ नियमित संवाद
- ग्राम सभा की बैठकें

प्राप्त सहयोग

- रहेजा, डिविस लैब, एमआरएफ कंपनियों से वित्तीय और जनशक्ति समर्थन
- विभिन्न अवसंरचनात्मक प्रतिष्ठानों के लिए जिला प्रशासन के सहयोग से भवनों का निर्माण और हस्तांतरण
- स्व- राजस्व स्रोत, निजी संगठनों के दान, मनरेगा निधि, 15वें वित्त आयोग की निधि, एनआरएचएम (NRHM) निधि, मिशन भागीरथ आदि का उपयोग किया
- सभी संबंधित विभागों द्वारा सम्मिलन के माध्यम से जागरूकता अभियान

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- पंचायत संकल्प के रूप में पर्याप्त बुनियादी ढांचे के निर्माण और उपयोग के लिए प्रयास जारी रखने के लिए दृढ़ संकल्प
- प्रभावी स्वच्छता में बेहतर संभारतंत्र के माध्यम से सार्वजनिक जन सेवाएं
- हितधारकों के बीच जागरूकता अभियान
- सरकार और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से बुनियादी ढांचे का रखरखाव और उन्नयन

सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत

एक सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल), दिव्यांगजन, निराश्रित, सामाजिक रूप से वंचित समूहों के जीवन स्तर में सुधार
- सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पात्र समूहों का कवरेज

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत कवरेज के माध्यम से बीपीएल परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना
- आईसीडीएस (ICDS) के तहत बच्चों और गर्भवती महिलाओं का नामांकन
- उत्पादक रोजगार प्रदान करना
- उपयुक्त बुनियादी ढांचे (शौचालय, आंगनवाड़ी केंद्र आदि) का विकास करना
- वंचित समूहों की असमानताओं और सभी प्रकार के भेदभाव को कम करना
- सार्वजनिक वितरण योजना के तहत पात्र लोगों के पंजीकरण की सुविधा
- गरीबों, निराश्रित और कमजोर लोगों की पहचान के लिए मानदंड तैयार करना
- गरीब और कमजोर समूहों के लिए विभिन्न योजनाओं पर सूचना का प्रसार
- उत्तरदायी, समावेशी और भागीदारीपूर्ण प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सभा को मजबूत करना
- नागरिकों तक सेवाओं की समय पर पहुंच सुनिश्चित करना और इसकी निगरानी करना
- दिव्यांगजनों का पुनर्वास

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- महिलाओं और बालिकाओं के लिए सुरक्षित और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना
- पीड़ितों के पुनर्वास में सहायता करना और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करना
- समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना
- स्कूलों और स्वास्थ्य केंद्रों में गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा सुनिश्चित करना
- सभी जन्मों का पूर्ण पंजीकरण सुनिश्चित करना
- काम के समान अवसर सुनिश्चित करना
- रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाना

कोंगटपल्ली

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: हनवाड़ा
जिला पंचायत: महबूबनगर राज्य: तेलंगाना

सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 205238
कुल जनसंख्या : 1665 (पुरुष : 835, महिलाएं: 830) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 12 (पुरुष: 6, महिलाएं: 6)
कुल परिवार: 421

प्रमुख उपलब्धियां

- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 162 पात्र वृद्धों, विधवाओं, विकलांग व्यक्तियों और एकल महिलाओं ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त की
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए वरिष्ठ नागरिक (3) और विकलांग व्यक्ति (4) को सहायक उपकरण प्रदान किए गए
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 9 पात्र विकलांग व्यक्तियों को विकलांगता कार्ड प्रदान किया गया
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 1545 पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत आयुष्मान भारत कार्ड (या अन्य राज्य विशिष्ट योजनाओं के तहत समान कार्ड) प्राप्त हुआ

चुनौतियाँ

- बेरोजगारी
- योजनाओं के तहत पात्र व्यक्तियों को लाभ वितरण में कमी
- सुविधाओं से वंचित आंगनबाड़ी केंद्र

समाधान दृष्टिकोण

- 100% सामाजिक रूप से संरक्षित पंचायत बनाने के लिए संकल्प लिया गया
- विभिन्न समितियों (जल, बाल और स्वास्थ्य पर) का गठन किया गया
- आईसीडीएस (ICDS) के तहत पात्र/ योग्यथ व्यक्तियों का नामांकन
- आंगनबाड़ी केंद्रों को दी जाने वाली सुविधाएं
- जागरूकता सृजन

प्राप्त सहयोग

- 162 व्यक्तियों को राज्य सरकार की "आसरा पेंशन योजना" प्राप्त हुई
- गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए "आरोग्य लक्ष्मी योजना" के तहत पोषण संबंधी लाभ प्रदान किए गए
- सरकारी संस्थागत प्रसव के लिए किट प्रदान की गई
- पीएमजेएवाई (PMJAY), पीएम श्रम योगी मान-धन जैसी योजनाओं आदि

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- ग्राम स्तर के पदाधिकारियों के माध्यम से नियमित रूप से सर्वेक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना
- ग्राम सभा एवं पंचायत की नियमित बैठकें
- सभी पात्र लोगों तक योजना का लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करना

कुलादा

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: भंजनगर
जिला पंचायत: गंजम राज्य: ओडिशा

सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 117648
कुल जनसंख्या: 4951 (पुरुष: 2472 , महिलाएं: 2479) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 14 (पुरुष: 5, महिलाएं: 9)
कुल परिवार: 1445

प्रमुख उपलब्धियां

- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 711 पात्र वृद्धों, विधवाओं, विकलांग व्यक्तियों और एकल महिलाओं ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त की
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए वरिष्ठ नागरिक (35) और विकलांग व्यक्ति (20) सहायक उपकरणों को मुहैया कराए गए
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 4 विकलांग व्यक्तियों को विकलांगता कार्ड प्रदान किया गया
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 1186 व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य के तहत आयुष्मान भारत योजना (पीएमजेएवाई) (या अन्य राज्य विशिष्ट योजनाओं के तहत) कार्ड प्राप्त हुआ
- आईसीडीएस (ICDS) सेवाओं की डोर-स्टेप डिलीवरी

चुनौतियाँ

- पात्र/ योग्यों हितधारकों की पहचान
- स्थानीय लोगों द्वारा योजना लाभ के लिए ऑनलाइन आवेदन
- कोविड महामारी
- दूर स्थित ब्लॉक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराने में समस्या

समाधान दृष्टिकोण

- लाभार्थियों की पहचान के लिए घरेलू सर्वेक्षण
- घर-घर जाकर जागरूकता अभियान
- जन सेवा केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सेवा केंद्र में ऑनलाइन आवेदन के लिए आईईसी (IEC) और विशेष अभियान
- जीपी कार्यालय में शिकायत प्रकोष्ठ
- भवन के तहत ब्याज मुक्त ऋण प्रदान किया गया
- कलाकार पेंशन योजना के तहत स्थानीय कलाकार को पेंशन प्रदान की जाती है

प्राप्त सहयोग

- सेवा केंद्र और जन सेवा केंद्र
- राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा घरेलू सर्वेक्षण
- गैर सरकारी संगठनों द्वारा विशेष अभियान
- मिशन शक्ति/आईसीडीएस (ICDS) अभिसरण
- ओडिशा आजीविका मिशन अनुदान

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- संबंधित योजनाओं के तहत सभी पात्र श्रेणियों और व्यक्तियों की पहचान करना और उन्हें शामिल करना
- प्रत्येक पात्र विकलांग व्यक्ति को यूडीआईडी (UID) कार्ड प्रदान करें
- लाभार्थी सूची से मृत और पलायन किए गए लाभार्थियों की समीक्षा और सूची से हटाना
- एसएचजी/महिलाओं को हैंडहोल्डिंग सपोर्ट / समर्थन

भगतगांव

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: खगरीजन
जिला पंचायत: नगांव राज्य: असम

सामाजिक रूप से सुरक्षित पंचायत

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 107260
कुल जनसंख्या : 15708 (पुरुष : 7982, महिलाएं: 7726) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 10 (पुरुष: 5, महिलाएं: 5)
कुल परिवार: 3547

प्रमुख उपलब्धियां

- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 50 पात्र वृद्धों, विधवाओं, विकलांग व्यक्तियों और एकल महिलाओं ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त की
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए वरिष्ठ नागरिक (5) और विकलांग व्यक्ति (5) को सहायक उपकरण प्रदान किए गए
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 5 विकलांग व्यक्तियों को विकलांगता कार्ड प्रदान किए गए
- आवेदन करने वाले एवं योग्य पाए गए 50 पात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) के तहत आयुष्मान भारत कार्ड (या अन्य राज्य विशिष्ट योजनाओं के तहत समान कार्ड) प्राप्त हुआ
- सिलाई और सिलाई स्टार्ट-अप और बकरी पालन ने SHG महिलाओं को सहयोग दिया

चुनौतियाँ

- योजनाओं के बारे में जागरूकता का अभाव

समाधान दृष्टिकोण

- सरकारी नीतियों और योजनाओं पर जागरूकता अभियान, वार्ड बैठकें और ग्राम सभाएं
- सभाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए निवासियों को प्रोत्साहित करना
- बैंक खाता खोलने के मेलों, आधार कार्ड खोलने के सप्ताह, नुक्कड़ नाटक, पत्रक वितरण, रैलियों आदि का आयोजन
- बाल विवाह की रोकथाम और नशीली दवाओं के उपयोग की रोकथाम पर सामाजिक जागरूकता अभियान

प्राप्त सहयोग

- केंद्र और राज्य सरकारों से अनुदान और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- आधार सीडिंग और सभी पात्र व्यक्तियों के बैंक खाते खोलना
- सरकारी नियमन के अनुसार ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों रजिस्टरों का रखरखाव

सुशासित पंचायत

सुशासित पंचायत वह है जो प्रभावी गवर्नेंस/ई-गवर्नेंस के माध्यम से ग्राम पंचायत के सभी निवासियों को विभिन्न योजनाओं के विकासात्मक लाभ और उत्तरदायी सेवा वितरण सुनिश्चित करती है।

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- आधुनिक ई-प्रौद्योगिकियों/प्रणालियों (सीएससी सह-स्थित/नागरिक चार्टर के अनुसार प्रदान की गई सेवा) के माध्यम से नागरिकों को बेहतर सेवा प्रदान करना सुनिश्चित करना
- नियमित वार्ड/महिला/बाल-बालिका/ग्राम सभा
- कार्यात्मक स्थायी समितियाँ
- एसडीजी के स्थानीयकरण के लिए एसएचजी/ग्राम समितियों को शामिल करना
- जीपीडीपी की तैयारी के लिए विभिन्न संस्थानों/हितधारकों के बीच समन्वय और अभिसरण
- पंचायती राज संस्थान और एसएचजी अभिसरण
- नागरिक संगठनों के साथ साझेदारी और सहयोग स्थापित करना

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- पंचायत सचिवालय में ई-गवर्नेंस और आईसीटी (ICT) उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना
- स्थायी समितियों का सुदृढ़ीकरण
- सिटीजन चार्टर के अनुसार प्रभावी वितरण
- शिकायत निवारण प्रणाली तैयार करना
- भागीदारी और अभिसरण ग्राम पंचायत विकास योजना

पिचानुर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: मदुक्कराई
जिला पंचायत : कोयम्बटूर राज्य : तमिलनाडु

सुशासित पंचायत

1st PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 222099
कुल जनसंख्या : 6261 (पुरुष : 3094, महिलाएं: 3167) (जनगणना 2011)
कुल गांव: 38
कुल वार्ड: 9
कुल निर्वाचित सदस्य: 11 (पुरुष: 5, महिलाएं: 6)

प्रमुख उपलब्धियां

- ग्राम पंचायत की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं
- ऑडिट ऑनलाइन अनुप्रयोग के माध्यम से केंद्रीय वित्त आयोग के अनुदान (वर्ष 2021-22) का ऑडिट किया गया (https://auditonline.gov.in/)
- सभी गांवों को स्थानीय सरकार निर्देशिका के साथ मैप किया गया (https://lgdirectory.gov.in/)
- इंटरनेट कनेक्टिविटी की उपलब्धता
- 100% (10/10) मिशन अंत्योदय अंतरालों का समाधान किया गया
- सांविधिक रिकॉर्ड का समुचित रूप से अनुरक्षण
- व्हाट्सएप (WhatsApp) ग्रुप के माध्यम से सुधार संबंधी सुझाव प्रशासन के साथ साझा किए गए
- संबंधित पोर्टल/एप्लीकेशन पर केंद्र और राज्य सरकार की गतिविधियों की प्रगति की सूचना दर्ज की गई
- सार्वजनिक वितरण की दुकानों में डिजिटलीकरण के लिए स्मार्ट कार्ड मशीन और थंब रीडर की उपलब्धता सुनिश्चित की गई

चुनौतियाँ

- ई-गवर्नेंस प्रौद्योगिकियों के संबंध में जागरूकता की कमी और इसके उपयोग के लिए बिचौलियों पर निर्भरता
- गरीबी और बेरोजगारी

समाधान दृष्टिकोण

- नवीनतम तकनीकों का उपयोग करते हुए मैनुअल रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण
- मनरेगा का प्रभावी कार्यान्वयन
- स्वच्छता और साफ-सफाई पर जागरूकता अभियान चलाना
- समय-समय पर स्वच्छता गतिविधियां

प्राप्त सहयोग

- राज्य स्तरीय प्रशिक्षण संस्थानों ने पंचायत सदस्यों और पदाधिकारियों का समय-समय पर प्रशिक्षण आयोजित किया
- चिन्हित युवाओं ने ई-गवर्नेंस पर जागरूकता उत्पन्न की
- स्थानीय किसानों के लिए सब्सिडी और अन्य कृषि सहायता का लाभ उठाने के लिए राज्य कृषि विभाग द्वारा "उलावन" ई- अनुप्रयोग विकसित करना

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- बेहतर सेवा प्रदायगी के लिए शासन सुधार
- सड़क और कृषि अवसंरचना में वृद्धि एवं सुधार
- मानव संसाधन की गुणवत्ता में सुधार
- स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं में सुधार

चीमलदारी

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: मोमिनपेट
जिला पंचायत: विकाराबाद राज्य : तेलंगाना

सुशासित पंचायत

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 210274
कुल जनसंख्या : 1334 (पुरुष: 684, महिलाएं: 650) (जनगणना 2011)
कुल गाँव : 1
कुल वार्ड : 8
कुल निर्वाचित सदस्य : 9 (पुरुष: 5, महिलाएं: 4)
कुल परिवार : 376

प्रमुख उपलब्धियां

- वर्ष 2021-22 के दौरान छह ग्राम सभाओं का आयोजन
- वर्ष 2021-22 के लिए स्व राजस्व-स्रोत (OSR) सहित केंद्रीय और राज्य वित्त आयोग के अनुदानों का ऑनलाइन लेखा कार्य परीक्षा पूरा किया गया
- ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर योजना, रिपोर्टिंग, जियो टैगिंग और लेखा विवरण दर्ज किया गया
- ई-ग्राम स्वराज पोर्टल पर चुनाव विवरण सहित ग्राम पंचायत प्रोफाइल / रूपरेखा का रखरखाव
- स्वयं की वेबसाइट (https://gpcheemaldari.blogspot.com/)
- 77% (34/44) महत्वपूर्ण और 66% (8/12) मध्यम मिशन अंत्योदय अंतरालों का समाधान किया गया
- कंप्यूटर और सहायक उपकरण सहित ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्टिविटी (भारतनेट) की उपलब्धता
- डाटा एंट्री ऑपरेटर कार्यरत/ नियुक्त
- सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) के माध्यम से मुहैया की जाने वाली 353 सेवाएं
- नियामक सेवाएं (भवन अनुमति और व्यापार लाइसेंस), वैधानिक सेवाएं (जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र आदि), विकासात्मक सेवाएं (एनआरईजीएस जॉब कार्ड, वृद्धावस्था पेंशन आदि) सीएससी के माध्यम से ऑनलाइन प्रदान की जाती है
- पंचायत सचिव, बहुउद्देशीय कार्यकर्ताओं की उपस्थिति की निगरानी और दैनिक स्वच्छता रिपोर्ट की निगरानी के लिए मोबाइल एप्लिकेशन विकसित किया गया
- गांव स्थानीय सरकार निर्देशिका के साथ मैप किया गया (https://lgdirectory.gov.in/)

चुनौतियाँ

- पुराने ग्राम पंचायत भवन में कंप्यूटर सिस्टम, बाह्य उपकरणों की संस्थापना
- इंटरनेट कनेक्टिविटी
- ग्राम सभाओं में भाग लेने के लिए स्थानीय लोगों की अनिच्छा
- मैनुअल प्रक्रियाएं, सेवाएं
- धन की कमी के कारण कम्प्यूटर आपरेटर की अनुपलब्धता

समाधान दृष्टिकोण

- डिजिटल साक्षरता और ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करने के लिए जागरूकता और प्रशिक्षण
- नए ग्राम पंचायत भवन का निर्माण
- कंप्यूटर ऑपरेटर का नियोजन / नियुक्तक और कंप्यूटर सॉफ्टवेयरों की खरीद

प्राप्त सहयोग

- केंद्र और राज्य सरकार से 1.40 लाख रु. का मासिक अनुदान प्राप्त (समान भाग में)
- 69 लाख रुपये का स्व राजस्व-स्रोत और 25 लाख रुपये का दान (वर्ष 2021-22)
- राज्य सरकार द्वारा कंप्यूटर, इंटरनेट कनेक्टिविटी, बिजली की आपूर्ति और अन्य उपकरण प्रदान किए गए

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- स्थायी समिति के माध्यम से निगरानी करना
- थीम गतिविधियों के लिए अलग से बजट आवंटित करना
- केवल ऑनलाइन प्रमाणपत्र जारी किए जाएंगे
- बैठकों के एजेंडे के रूप में ऑनलाइन सेवाओं की समीक्षा करना

अलगप्पा नगर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: कोडकरा
जिला पंचायत: त्रिशूर राज्य : केरल

सुशासित पंचायत

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 221853
कुल जनसंख्या: 29341 (पुरुष: 14,308, महिलाएं: 15,033) (जनगणना 2011)
कुल वार्ड : 17
कुल निर्वाचित सदस्य: 17 (पुरुष: 8, महिलाएं: 9)

प्रमुख उपलब्धियां

- ग्राम सभाओं में लेखापरीक्षा रिपोर्ट, मिशन अंत्योदय अंतराल, लाभार्थी सूची पर चर्चा करके अनुमोदित किया गया
- एकीकृत स्थानीय स्व-शासन प्रबंधन प्रणाली (आईएलजीएमएस) के माध्यम से सभी सेवाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रदान की गई
- नागरिक चार्टर तैयार कर प्रकाशित करना ,टच स्क्रीन कियोस्क, टोकन सिस्टम उपलब्धत कराना
- स्वयं की वेबसाइट (panchayat.lsgkerala.gov.in/alagappanagarpanchayat)
- निकटवर्ती निष्पादन लेखापरीक्षा कार्यालय और पुस्तकालय के समीप ग्राम पंचायत कार्यालय के सौर पैनलों की स्थापना।
- सभी स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम
- सभी गांवों को स्थानीय सरकार निर्देशिका के साथ मैप किया गया (https://lgdirectory.gov.in/)
- कंप्यूटर और सहायक उपकरण सहित ब्रॉडबैंड इंटरनेट कनेक्टिविटी (बीएसएनएल) उपलब्ध
- आम लोगों के लिए मुफ्त वाई-फाई इंटरनेट सुविधा , 100% (8/8) मिशन अंत्योदय अंतराल का समाधान किया गया
- परियोजनाओं के लिए कार्यकारी समूह मॉनीटरिंग समिति और प्रापण समिति गठित
- विकास और कल्याणकारी गतिविधियों का वीडियो दस्तावेज बनाना

चुनौतियाँ

- सामान्य सेवा केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन सेवाओं के लिए भुगतान करने में स्थानीय लोगों की अनिच्छा
- मैनुअल प्रक्रियाएं और सेवाएं
- धन की कमी के कारण कम्प्यूटर आपरेटर की अनुपलब्धता

समाधान दृष्टिकोण

- ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के संबंध में जागरुकता लाना
- लोगों के बीच नागरिक चार्टर का वितरण

प्राप्त सहयोग

- कर्मचारियों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए केरल स्थानीय प्रशासन संस्थान के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है
- सूचना केरल मिशन ने ऑनलाइन प्रणाली स्थापित करने में सहायता की

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- मूल्यांकन और मध्यवर्तन जारी रखना

महिला हितैषी पंचायत

एक महिला हितैषी पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- महिलाओं को समान अवसर
- गर्भवती महिलाओं का 100% टीकाकरण
- 100% संस्थागत प्रसव
- महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ शून्य अपराध
- सामाजिक-राजनीतिक, आर्थिक गतिविधियों आदि में महिलाओं की भागीदारी

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- पांच वर्ष से कम आयु की सभी बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करना
- महिलाओं के लिए बैंकिंग सेवा की सुविधा प्रदान करना
- मातृ मृत्यु अनुपात को कम करना
- विद्यालय में बालिकाओं के कुल नामांकन और प्रतिधारण के लिए वातावरण तैयार करना

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- महिला सभाओं का संचालन और ग्राम सभाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना
- महिलाओं के लिए भयरहित और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना
- जागरूकता पैदा करना और महिलाओं और बालिकाओं को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं प्रदान करना
- सभी विकास कार्यक्रमों के तहत लाभ के लिए महिलाओं की समान पहुंच सुनिश्चित करना
- यह सुनिश्चित करना कि सभी लड़कियां मुफ्त, समान और गुणवत्तापूर्ण प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पूरी करें
- स्वयं सहायता समूहों में गरीब महिलाओं को नामांकित करना और आर्थिक विकास गतिविधियों के अवसर पैदा करना
- सस्ती और गुणवत्ता वाली तकनीकी, व्यावसायिक और तृतीयक शिक्षा तक सभी महिलाओं की समान पहुंच सुनिश्चित करना
- महिला विकास के लिए बजट में पर्याप्त धनराशि निर्धारित करना
- महिलाओं को समान काम के लिए समान वेतन सुनिश्चित करना

आईपूर

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: आत्माकुर (एस)
जिला पंचायत: सूर्यपेट राज्य : तेलंगाना

महिला हितैषी पंचायत

1st PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड- 207159
कुल जनसंख्या – 3662 (पुरुष- 1822, महिलाएं- 1840 (जनगणना 2011 के अनुसार)
कुल बालिकाएं (0- 5 वर्ष) -72
कुल बालिकाएं (6-18 वर्ष)-292
गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कुल महिलाएं -958
पीएम जन धन योजना के तहत नामांकित कुल महिलाएं-214

प्रमुख उपलब्धियां

- बालिकाओं और महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला क्लबों और शी (She) टीमों का गठन किया गया
- कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं में ऋण प्रावधान के कारण बाल विवाह में कमी आई है
- गांव में शत प्रतिशत शौचालय का निर्माण कराया गया है
- किसी भी बालिका (0-18 वर्ष) में खून की कमी दर्ज नहीं की गई है
- किसी भी गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिला (15-49 वर्ष) में खून की कमी दर्ज नहीं की गई है
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत शत-प्रतिशत महिलाओं को नकद लाभ मिला है

चुनौतियाँ

- महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता का अभाव
- शासन प्रणाली संबंधी मामलों में महिलाओं की कम भागीदारी

समाधान दृष्टिकोण

- विभिन्न संबंधित विभागों की योजनाओं का अभिसरण
- विभिन्न विकास योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए एसएचजी समूहों को संगठित करना

प्राप्त सहयोग

- राज्य सरकार और केंद्र सरकार की योजनाएं, सामुदायिक सेवा और स्वैच्छिक योगदान से प्राप्त धनराशि का उपयोग किया
- पंचायत समिति कागल और यूनिसेफ द्वारा संचालित बाल हितैषी और लैंगिक हितैषी पहियोजना से प्राप्त सहयोग

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- महिला सशक्तिकरण से जुड़ी केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन

फतेहपुरा

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: बारामूला
जिला पंचायत: बारामूला संघ राज्य क्षेत्र : जम्मू और कश्मीर

महिला हितैषी पंचायत

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड- 241208
कुल परिवार- 4515 (पुरुष - 2405, महिलाएं- 2110)
(जनगणना 2011 के अनुसार)
कुल बालिकाएं (0- 5 वर्ष) -60
कुल बालिकाएं (6-18 वर्ष)-200
गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कुल महिलाएं -150

प्रमुख उपलब्धियां

- बालिकाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उचित स्वास्थ्य सुविधाएं
- बालिकाओं के लिए आवासीय सुविधा मुहैया करना
- एक परित्यक्त स्कूल भवन को स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्र के रूप में नया स्वरूप दिया गया
- एसएचजी में सदस्यता के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित करना। 26 एसएचजी
- मशरूम की खेती में काम कर रहे प्रगतिशील एसएचजी की सफलता के आधार पर मशरूम क्लस्टर के रूप में घोषित किया गया। प्रत्येक मशरूम इकाई प्रति वर्ष दो फसलें उपजाती है और प्रति सदस्य 70000 रुपये कमाती है
- गैर सरकारी संगठन वात्सल्य के साथ परियोजना "सखी" के तहत सैनिटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर/भट्टियां स्थापित किए गए हैं
- पूरी तरह कार्यात्मक आंगनवाड़ी केंद्र बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को मध्याह्न भोजन प्रदान करते हैं

चुनौतियाँ

- महिलाओं के बीच जागरूकता का अभाव और महिलाओं द्वारा संचालित व्यावसायिक इकाइयों के लिए ग्रामीणों का प्रतिरोध.
- महिलाओं में शिक्षा और कौशल की कमी

समाधान दृष्टिकोण

- ग्राम सभाओं के माध्यम से आम जनता को जागरूक बनाकर, संपर्क कार्यकर्ताओं की क्षमता निर्माण और संबंधित विभागों को संगठित करके समस्याओं का समाधान करने के लिए एक बहु-आयामी कार्यनीति तैयार करना
- पंचायत स्तर पर महिला सदस्यों का सहयोग

प्राप्त सहयोग

- विभिन्न संबंधित विभागों की योजनाओं का अभिसरण
- ब्लॉक और जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की गई सहायता

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- आर्थिक मॉडल में फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकेज बढ़ाने के लिए खाद्य प्रसंस्करण से संबंधित एसएचजी के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण देने की योजना
- निर्णय लेने, आयोजना प्रक्रिया और सामाजिक लेखापरीक्षा में स्वयं सहायता समूहों के सक्रिय भागीदारों को शामिल करना
- सिक्का आधारित सैनिटरी नेपकिन वेंडिंग मशीन की स्थापना

अलाबाद

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: कागल
जिला पंचायत: कोल्हापुर राज्य : महाराष्ट्र

महिला हितैषी पंचायत

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 178659
कुल जनसंख्या- 1883 (पुरुष-935, महिला-948)
जनगणना 2011 के अनुसार
कुल बालिकाएं (0- 5 वर्ष) -46
कुल बालिकाएं (6-18 वर्ष)-147
गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) कुल महिलाएं- 78

प्रमुख उपलब्धियां

- सभी पात्र बालिकाएं विद्यालय में नामांकित
- कम वजन वाली बालिकाओं का शून्य मामला
- कमजोर/छोटे क़द की बालिकाओं (0-5 वर्ष) का शून्य मामला
- एनीमिक बालिकाओं (0-18 वर्ष) का शून्य मामला
- गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिलाओं (15-49 वर्ष) का शून्य मामला।
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत शत-प्रतिशत महिलाओं को नकद लाभ मिला।

चुनौतियाँ

- महिला भागीदारी का अभाव
- खेतों में व्यस्त होने के कारण टीकाकरण अभियान या स्वास्थ्य जांच हेतु महिलाओं में प्रेरणा का अभाव
- किशोरियों में यौन शिक्षा का अभाव

समाधान दृष्टिकोण

- महिला सभाओं का आयोजन किया
- आशा सेविका, एएनएम, आंगनवाड़ी सेविका द्वारा घर-घर जाकर टीकाकरण अभियान
- गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिलाओं की विशेष देखभाल
- किशोरियों के लिए यौन शिक्षा और प्राथमिक विद्यालय और उच्च विद्यालय में जन जागरूकता का सृजन करना

प्राप्त सहयोग

- सरकारी विभाग और जन सदस्यता, सामुदायिक सेवा, स्वैच्छिक योगदान और केंद्र सरकार से आवंटित धनराशि
- पंचायत समिति कागल और यूनिसेफ द्वारा संचालित बाल हितैषी और लैंगिक हितैषी परियोजना से प्राप्त सहयोग

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- महिला सशक्तिकरण के लिए समितियों का गठन
- महिलाओं को संगठित करने के लिए आशा सेविका, आंगनवाड़ी सेविका और पेट्रिका ताई को मजबूत बनाना
- ग्राम सभाओं, महिला सभाओं आदि में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी

ग्राम ऊर्जा स्वराज
विशेष पंचायत पुरस्कार

एक पंचायत ग्राम ऊर्जा स्वराज का दर्जा तब प्राप्त करती है जब यह सुनिश्चित करती है:

- 100% नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का उपयोग
- कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में कमी

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का 100% उपयोग
- 100% कचरा प्रबंधन
- प्लास्टिक का शून्य उपयोग
- वनों और जैव विविधता का संरक्षण और विस्तार
- घरों, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन में कमी
- मिट्टी और जल संरक्षण

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- कुल ऊर्जा आवश्यकता पर आधारभूत सर्वेक्षण
- प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध
- ठोस और तरल कचरे का प्रभावी प्रबंधन
- सभी हितधारकों में (समुदाय, प्राधिकरणों और संगठनों) जागरूकता पैदा करना
- पवन, सौर, पनबिजली आदि जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग
- बायोगैस को ईंधन के रूप में बढ़ावा देना
- जैविक कृषि को प्रोत्साहित करना
- राजस्व के संभावित स्रोत के रूप में कार्बन ऑफसेटिंग के पारंपरिक अभ्यास का अभ्यास करना
- व्यापक वृक्षारोपण
- वृक्ष बैंकिंग और वृक्ष गिरवी आदि का कार्यान्वयन
- ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) निधियों और अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों का अभिसरण

टिकेकरवाड़ी

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: जुन्नार
जिला पंचायत: पुणे राज्य : महाराष्ट्र

ग्राम ऊर्जा स्वराज्य विशेष पंचायत पुरस्कार

1st PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 186025
कुल जनसंख्या: 1119 (पुरुष: 580, महिलाएं: 539) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 7 (पुरुष: 3, महिलाएं: 4)
कुल परिवार: 189
कुल सोलर लाइट: 88
कुल सौर पेयजल पंप:1

प्रमुख उपलब्धियां

- सोलर पैनल, विंड मिल और बायो गैस से 15000 किलोवाट बिजली पैदा की जा रही है
- स्कूल, जीपी कार्यालय, मंदिर, स्ट्रीट लाइट और आरओ प्लांट के लिए आपूर्ति की जाने वाली सौर ऊर्जा से बिजली
- 100% (88) स्ट्रीट लाइट सोलर ऊर्जा से प्राप्त होती हैं
- कुकिंग गैस आपूर्ति के साथ 200 क्यूबिक मीटर कम्यूनिटी बायोगैस प्लांट किसानों के लिए तरल जैव घोल और जैविक खाद के साथ 45 घंटों की 15 किलोवाट बिजली
- 98% घरों में सोलर वॉटर हीटर लगाए गए हैं , संबंधित परियोजनाओं के तहत 50 व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया गया
- ग्राम पंचायत विकास योजना के तहत लगभग 3 लाख रु. हरित गतिविधियों के लिए आवंटित किए गए और उपयोग किए गए
- कुशल ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन और जल पुनर्चक्रण प्रणाली
- स्थानीय लोगों द्वारा पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को अपनाया गया
- 80% फार्म लघु सिंचाई और ड्रिप सिंचाई प्रणाली और कुशल कृषि पद्धतियों का उपयोग
- पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार (2012-13) पंचायती राज मंत्रालय से प्राप्त हुआ
- ऊर्जा संरक्षण और प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार (2018-19 और 2019-20)

चुनौतियाँ

- राजस्व की कमी

समाधान दृष्टिकोण

- जनभागीदारी को बढ़ावा दिया
- वार्ड सभा, महिला सभा, ग्राम सभा को लेकर जागरुकता का आयोजन किया
- जहां तक संभव हो अपरंपरागत ऊर्जा स्रोतों का उपयोग किया
- सफाई और वृक्ष संरक्षण के लिए हर परिवार की महिलाओं द्वारा पिछले 12 वर्षों से हर महीने एक दिन के लिए ' श्रमदान ' (स्वैच्छिक योगदान कार्य)।
- स्थानीय लोगों को सोलर गीजर लगाने के लिए 40% सब्सिडी का प्रस्ताव
- प्रति व्यक्ति पांच पौधे लगाने की प्रथा
- पेड़ों की कटाई पर रोक , विवादित भूमि पर पौधरोपण

प्राप्त सहयोग

- नाबार्ड से 16 लाख रुपये की धनराशि
- केंद्र और राज्य सरकार से अनुदान
- केंद्र और राज्य सरकार की ओर से 1.75 करोड़ रुपये की इनामी राशि
- बुनियादी ढांचे के रखरखाव के लिए जनता से शुल्क/उपयोगकर्ता शुल्क आदि

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- जैव विविधता समिति, वन संरक्षण समिति, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और जल समिति गठित
- समितियों का नियमित प्रशिक्षण
- सोशल ऑडिट का संचालन

अंकुली

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: पतरपुर
जिला पंचायत: गंजम राज्य : ओडिशा

ग्राम ऊर्जा स्वराज्य विशेष पंचायत पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 117875
कुल जनसंख्या: 3792 (पुरुष: 1944, महिलाएं: 1848) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 12 (पुरुष: 5, महिलाएं: 7)
कुल परिवार: 930
कुल सोलर लाइट: 318
कुल सौर पेयजल पंप: 26

प्रमुख उपलब्धियां

- 318 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गईं
- पीने के पानी और सिंचाई के उद्देश्य के लिए 26 सोलर पंप
- सभी परिवारों को सोलर टॉर्च की आपूर्ति की गई
- सभी परिवारों को रूफ टॉप सोलर की सुविधा
- मनरेगा के तहत 5 सामुदायिक बायो गैस संयंत्रों का निर्माण
- प्लास्टिक कचरे को अलग कर रिसाइकिल किया जाता है

चुनौतियाँ

- एलईडी बल्बों द्वारा कुशल प्रकाश व्यवस्था और प्रतिस्थापन में कमी
- जलाऊ लकड़ी का उपयोग और एलपीजी गैस के उपयोग में कमी
- ठोस, तरल और प्लास्टिक कचरे का प्रबंधन
- वनों की कटाई
- स्थानीय लोगों में प्रदूषण, स्वच्छता और ग्रीनहाउस गैसों के बारे में जागरूकता की कमी

समाधान दृष्टिकोण

- स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम , क्षेत्रीय समारोह, ग्राम सभा जैसी आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता
- पेपर हट्टों, प्लेट, गिलास और जूट उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित किया
- प्लास्टिक उत्पादों पर प्रतिबंध
- राज्य सरकार की घरे एलईडी योजना" अला" के तहत एलईडी बल्ब का वितरण।
- प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना के तहत रियायती मूल्य पर एलपीजी सिलेंडर का वितरण
- वनीकरण ड्राइव , BoVand ट्राई साइकिल के माध्यम से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण
- ग्राम स्वच्छता समिति द्वारा नियमित सफाई अभियान चलाया जा रहा है
- सामुदायिक कम्पोस्ट पिट का निर्माण

प्राप्त सहयोग

- केंद्र और राज्य सरकार के फंड
- स्थायी समितियों का सक्रिय कामकाज

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- स्थायी समितियों का सुदृढ़ीकरण
- जीपीडीपी के तहत हरित गतिविधियों और स्वयं के राजस्व के माध्यम से योगदान के लिए अलग से आवंटन
- अक्षय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग पर जागरूकता पैदा करना, आवागमन के लिए सार्वजनिक परिवहन
- नियमित वृक्षारोपण अभियान

मुकरा (के)

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: इछौड़ा
जिला पंचायत: आदिलाबाद राज्य : तेलंगाना

ग्राम ऊर्जा स्वराज्य विशेष पंचायत पुरस्कार

3rd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 281138
कुल जनसंख्या: 560 (पुरुष: 277 , महिलाएं: 283) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 9 (पुरुष: 3, महिलाएं: 6)
कुल परिवार: 162
कुल सोलर लाइट्स: 61
कुल सौर पेयजल पंप:2

प्रमुख उपलब्धियां

- 61 सोलर स्ट्रीट लाइट और 51 सोलर रूफटॉप मॉड्यूल लगाए गए
- बायोगैस संयंत्र से बायोगैस का उपयोग करने वाले 3 परिवार
- 6 किलोवाट बिजली क्षमता सौर ऊर्जा ग्रिड; 2 किलो वाट बिजली विभाग को बेचा गया
- वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन और उसकी बिक्री से राजस्व

चुनौतियाँ

- बिजली की नियमित आपूर्ति
- कम बिजली वोल्टेज की समस्या
- बिजली विभाग को खपत शुल्क का भुगतान करने के लिए स्थानीय लोगों की वित्तीय बाधा

समाधान दृष्टिकोण

- ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के उपयोग के लिए आईईसी जागरूकता अभियान
- बायोगैस के उपयोग पर जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष रूप से महिलाओं के लिए डोर टू डोर अभियान
- गरीब परिवारों को बांटे गए सोलर टॉर्च लाइट व बल्ब

प्राप्त सहयोग

- केंद्र और राज्य सरकार के फंड
- लोगों की भागीदारी

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- बिजली विभाग को बिजली की बिक्री के माध्यम से निर्वाह/ गुजारा
- स्वच्छता, प्लास्टिक का उपयोग न करने पर नियमित निगरानी
- सतर्कता समितियों के माध्यम से हरित गतिविधियों की निगरानी
- निगरानी, सुरक्षा और परियोजना कार्यान्वयन के लिए पहले से ही सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं

कार्बन न्यूट्रल
विशेष पंचायत पुरस्कार

कार्बन न्यूट्रल पंचायत वह है जो सुनिश्चित करती है:

- नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग से शून्य कार्बन उत्सर्जन
- ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए ऑफसेटिंग और न्यूनीकरण

स्थानीय उद्देश्य और लक्ष्य :

- खुले में शौच मुक्त (ODF)
- 100% कचरा प्रबंधन
- प्लास्टिक का शून्य उपयोग
- नवीनीकरण ऊर्जा स्रोतों का 100% उपयोग
- वनों और जैव विविधता का संरक्षण और विस्तार
- घरों, परिवहन और औद्योगिक क्षेत्रों से कार्बन उत्सर्जन में 100% कमी
- मृदा और जल संरक्षण

ग्राम पंचायतों की भूमिका:

- कुल कार्बन उत्सर्जन पर आधारभूत सर्वेक्षण
- प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध
- ठोस और तरल कचरे का प्रभावी प्रबंधन
- सभी हितधारकों में (समुदाय, प्राधिकरणों और संगठनों) जागरूकता पैदा करना
- बिजली उत्पादन, जल तापन और शीतलन और परिवहन के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे पवन, सौर, पनबिजली आदि का उपयोग
- बायोगैस को ईंधन के रूप में बढ़ावा देना
- जैविक कृषि को प्रोत्साहित करना
- राजस्व के संभावित स्रोत के रूप में कार्बन ऑफसेटिंग के पारंपरिक अभ्यास का अभ्यास करना
- व्यापक वृक्षारोपण
- वृक्ष बैंकिंग और वृक्ष गिरवी आदि का कार्यान्वयन
- ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) निधियों और अन्य योजनाओं और कार्यक्रमों का अभिसरण

मीनांगडी

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: सुलतान बाथरी
जिला पंचायत: वायनाड राज्य : केरल

कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका (Local Government Directory) कोड: 221930
कुल जनसंख्या : 35859 (पुरुष : 17330, महिलाएं: 18529) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 19 (पुरुष : 9 , महिलाएं: 10)
कुल परिवार: 8199

प्रमुख उपलब्धियां

- वर्ष 2013 में प्रकाशित जैव विविधता रजिस्टर
- वर्ष 2021-22 के दौरान शून्य कार्बन उत्सर्जन और जैव विविधता के संरक्षण पर विशेष जोर देने के साथ 3 ग्राम सभाएं आयोजित की गईं
- वर्ष 2017-2021 के दौरान 4.5 लाख पौधे रोपे गए
- 7516 पेड़ों को जियोटेग किया गया
- 4100 घरों और सार्वजनिक/निजी भवनों को सोलर पैनल से जोड़ा गया है
- 1991 घरों को वर्षा जल संचयन संरचनाओं से जोड़ा गया
- 8156 घरों में एलईडी बल्ब
- 7012 परिवार एलपीजी का उपयोग करते हैं
- कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों के लिए कुल जीपीडीपी आवंटन (2021-22) का लगभग 9% (1.12 करोड़ रुपये) उपयोग किया गया

चुनौतियाँ

- कार्बन तटस्थता के बारे में स्थानीय लोगों में जागरूकता की कमी
- अधिक पेड़ लगाने को लेकर किसानों में आशंका
- परियोजना कार्यान्वयन के लिए उच्च लागत

समाधान दृष्टिकोण

- वर्ष 2016 में कार्बन न्यूट्रल परियोजना का शुभारंभ एवं परियोजना के अंतर्गत कार्बन उत्सर्जन का आकलन
- वृक्ष बैंकिंग और वृक्ष गिरवी रखने की पहल
- जागरूकता अभियान

प्राप्त सहयोग

- थनल गैर-सरकारी संगठन समग्र प्रक्रियाओं की निगरानी
- एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन शोध
- राज्य सरकार से अनुदान, सीएसआर फंड, वित्तीय पुरस्कार
- हरित कर्म सेना ' के स्वयंसेवी प्रयास जो सभी घरों से प्लास्टिक और कचरा एकत्र और संसाधित

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- कृषि-वानिकी को प्रोत्साहित करें क्योंकि नए पेड़ों के माध्यम से अधिक कार्बन पृथक्करण (अवशोषण और भंडारण)
- विषय पर शोध कार्य जारी
- नई जलवायु परिस्थितियों के अनुसार कृषि कैलेंडर के पुनर्निर्धारण के बारे में किसानों में जागरूकता पैदा करना

कान्हा

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: नंदीगामा
जिला पंचायत: रंगारेड्डी राज्य : तेलंगाना

कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार

2nd PRIZE

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 281710
कुल जनसंख्या: 506 (पुरुष: 217, महिलाएं: 289) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 9 (पुरुष: 4, महिलाएं: 5)
कुल परिवार: 195

प्रमुख उपलब्धियां

- 195 घर और 5 सार्वजनिक/निजी भवन/अन्य क्षेत्र सोलर पैनल से जुड़े हुए हैं
- वर्षा जल संचयन संरचनाओं से जुड़े 195 घर
- 191 घरों में एलईडी बल्ब और एलपीजी का इस्तेमाल होता है
- कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों पर कुल जीपीडीपी आवंटन (2021-22) का लगभग 46% (39 लाख रुपये) उपयोग किया गया
- ओडीएफ+ का दर्जा हासिल किया

चुनौतियाँ

- कार्बन तटस्थता के बारे में स्थानीय लोगों में जागरूकता की कमी
- वृक्षारोपण के लिए उपकरण/मशीनरी (ट्रैक्टर आदि), जनशक्ति और धन की कमी

समाधान दृष्टिकोण

- बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण
- सौर ऊर्जा का अधिक उपयोग
- स्थानीय लोगों को सौर पैनल, वर्षा जल संचयन संरचनाएं, बैटरी संचालित वाहन/साइकिल स्थापित करने और उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना
- जागरूकता अभियान (बैनर, पोस्टर आदि)
- अनुदान से खरीदा गया नया ट्रैक्टर (केंद्रीय (मनरेगा) और राज्य सरकारें, गैर सरकारी संगठन)
- जनशक्ति के विकल्प के रूप में ड्रिप सिंचाई प्रणाली की स्थापना

प्राप्त सहयोग

- केंद्रीय (मनरेगा) और राज्य सरकारों, गैर सरकारी संगठनों से अनुदान
- स्थानीय लोगों द्वारा वृक्षारोपण अभियान के लिए श्रमदान /स्वैच्छिक योगदान

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- परियोजना/कार्यकलापों के रखरखाव के लिए धन का आवंटन
- हरित क्षेत्र बढ़ाना
- विषय में स्थानीय लोगों के साथ प्रभावी संचार

बोनाईगढ़

ग्राम पंचायत
पंचायत समिति: बोनईगढ़
जिला पंचायत: सुंदरगढ़ राज्य: ओडिशा

कार्बन न्यूट्रल विशेष पंचायत पुरस्कार

3rd PRIZE

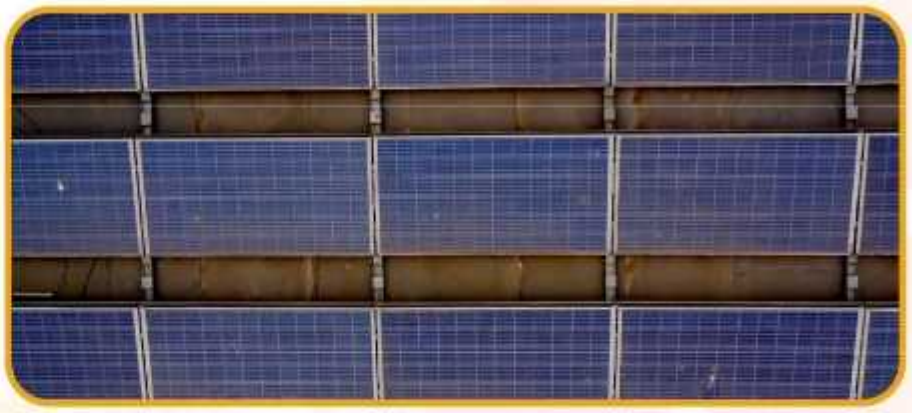

प्रोफाइल / रूपरेखा:

स्थानीय सरकार निर्देशिका कोड: 121567
कुल जनसंख्या : 10162 (पुरुष : 5261, महिला : 4901) (जनगणना 2011)
कुल निर्वाचित सदस्य: 20 (पुरुष: 6, महिला: 16)
कुल परिवार: 2457

प्रमुख उपलब्धियां

- सभी 2457 घरों और 68 सार्वजनिक/निजी भवनों/अन्य क्षेत्रों को सोलर पैनल से जोड़ा गया है
- वर्षा जल संचयन संरचनाओं से जुड़े 450 घर
- सभी 2457 घरों में एलईडी बल्ब और एलपीजी का उपयोग होता है
- कार्बन उत्सर्जन को कम करने से संबंधित गतिविधियों पर कुल जीपीडीपी आवंटन (2021-22) का लगभग 16% (6.57 लाख रुपये) उपयोग किया गया
- • एसएचजी द्वारा तैयार किए गए पत्तों की प्लेट और कटोरे, कागज के पैकेट और कैरी बैग जैसे प्राकृतिक उत्पादों का उपयोग और आजीविका पैदा करना

चुनौतियाँ

- कार्बन न्यूट्रिलिटी के संबंध में स्थानीय लोगों के बीच जागरूकता की कमी।
- निधियों का निवेश
- जंगली जानवरों का संकट/ खतरा

समाधान दृष्टिकोण

- सोख्ता गड्ढा एवं कम्पोस्ट गड्ढा, नलकूप लीच पिट के साथ-साथ पृथक्करण शेड का निर्माण
- गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे का पुनर्चक्रण
- सिंगल यूज पॉलीथिन पर प्रतिबंध

प्राप्त सहयोग

- केन्द्री य एवं राज्यं सरकार द्वारा सहायता एवं अनुदान
- राज्य सरकार/ जिला प्रशासन द्वारा प्रदत्तव सौलर लाईट

सततता (Sustainability) के लिए रोडमैप

- ग्रिड से जुड़े 500 किलोवाट के मिनी सोलर प्लांट लगाने के लिए निवेशकों को प्रोत्साहित करें
- रोशनी और जलापूर्ति पंपों के लिए अधिक सौर आधारित परियोजनाओं को हाथ में लेना
- सभी सार्वजनिक भवनों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं स्थापित करें
- स्वच्छता के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थ का संग्रह Saathis (SHG) पुनर्नवीनी
- करण उत्पाद के पृथक्करण, पुनर्चक्रण और बिक्री के लिए
- सभी व्यक्तिगत घरों को कवर करने के लिए सोख्ता गड्ढों और ट्यूब लीच पिट का निर्माण

नानाजी देशमुख

सर्वोत्तम पंचायत सतत विकास पुरस्कार (एनडीएसपीएसवीपी)

सभी 9 पुरस्कार विषयों के तहत ग्राम पंचायतों/समकक्ष निकायों के समग्र प्रदर्शन और सभी 9 पुरस्कार विषयों के तहत उनकी ग्राम पंचायतों द्वारा ब्लॉक और जिला पंचायतों के समग्र प्रदर्शन के लिए, एनडीएसपीएसवीपी के तहत निम्नलिखित पंचायतों को विजेता घोषित किया गया हैं। यह पुरस्कार सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए उनके समग्र और अभिसरण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

(क) सर्वोत्तम ग्राम पंचायत/समतुल्य निकाय

रैंक	ग्राम पंचायत	एलजीडी कोड	ब्लॉक पंचायत	जिला पंचायत	राज्य
प्रथम	नगोपा	264438	-	-	मिज़ोरम
द्वितीय	मिलक अमावती	80572	दिलारी	मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश
तृतीय	कपिलो	112726	बिरनी	गिरिडीह	झारखंड

(ख) सर्वोत्तम ब्लॉक पंचायत

रैंक	ब्लॉक पंचायत	एलजीडी कोड	जिला पंचायत	राज्य
प्रथम	हिंजिलिकट	3737	गंजम	ओडिशा
द्वितीय	थिम्मापुर (L.M.D.)	5383	करीमनगर	तेलंगाना
तृतीय	कुमारघाट बैक	6911	त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषण	त्रिपुरा

(ग) सर्वोत्तम जिला पंचायत

रैंक	जिला पंचायत	एलजीडी कोड	राज्य
प्रथम	गंजम	313	ओडिशा
द्वितीय	मुलुगु	289889	तेलंगाना
तृतीय	दादरा और नगर हवेली	423	दादर एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव

सशक्त पंचायत सतत् विकास

सशक्त पंचायत सतत् विकास

https://panchayataward.gov.in/

www.facebook.com/MinistryOfPanchayatiRaj

www.youtube.com/channel/UCEVBqQXipAuDqZsinwto4nA

www.twitter.com/mopr_goi?ref_src=twsrc%5Egoogle%7Ctwcamp%5Eserp%7Ctwgr%5Eauthor

पंचायती राज मंत्रालय द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित